केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

हमारे जीवन में केवल दो ही वास्तविक धन हैं, 'समय' और 'साँस' दोनों ही निश्चित और सिमित हैं इसलिए समझदारी से ख़र्च करे!

वर्ष : 16 अंक : 247 | उज्जैन, सोमवार 16 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सबरीमाला मंदिर में युवा महिलाओं के प्रवेश पर SC में सुनवाई, केरल में छिड़ी राजनीतिक बहस

नई दिल्ली/ जीएनएस। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा रविवार को एक बार फिर चर्चा में आया, जिससे केरल में राजनीतिक बहस छिड़ गई। विपक्ष ने एलडीएफ सरकार से युवतियों के मंदिर में प्रवेश पर अपने रुख को स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन से अपील की कि वे सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष सरकार का रुख स्पष्ट करें, जबकि माकपा ने कहा कि वह यह नहीं बता सकती कि सरकार अदालत में क्या प्रस्तुत करेगी। यह मुद्दा चुनावी राज्य में सत्तारूढ़ माकपा और विपक्षी कांग्रेस के नेताओं के बीच शब्दों की नई जंग को जन्म दे रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले की समीक्षा और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। इससे सभी आयु की महिलाओं को भगवान अय्यप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कोच्चि में मांग की कि विजयन स्पष्ट करें कि क्या केरल सरकार सबरीमाला महिलाओं के प्रवेश मामले में पहले प्रस्तुत किए गए हलफनामे के साथ खड़ी रहेगी या इसे वापस लेगी। सतीशन ने सवाल उठाया कि क्या सरकार अभी भी महिलाओं के प्रवेश का समर्थन करती है। उन्होंने वाम सरकार पर अस्पष्ट दृष्टिकोण का आरोप लगाते हुए कहा, यदि सरकार महिलाओं के प्रवेश का समर्थन करती है, तो उसे अपने हलफनामे के प्रति दृढ़ रहना चाहिए। यदि नहीं, तो हलफनामा वापस लेना चाहिए। एक स्पष्ट स्थिति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की वास्तविक स्थिति सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनाए गए रुख से स्पष्ट होगी। यदि अधिकारियों ने अदालत से अधिक समय मांगा, तो यह संकेत देगा कि सरकार के पास अभी भी स्पष्ट रुख नहीं है। एआइसीसी के महासचिव केसी.वेणुगोपाल ने कहा कि राज्य सरकार को सबरीमाला मामले में अपने हलफनामे को संशोधित करना चाहिए और पार्टी के भीतर किसी पुनर्विचार की आवश्यकता नहीं है।

देश में पहली बार औली ने रचा नया कीर्तिमान, दूधिया रोशनी में दिखा नाइट स्कीइंग का रोमांच

नई दिल्ली/ जीएनएस। विश्व प्रसिद्ध हिमक्रीड़ा स्थल औली ने रविवार रात एक नया कीर्तिमान रच दिया। अभी तक केवल दिन की रोशनी में चमकने वाली औली की श्वेत ढलानों पर पहली बार दूधिया रोशनी के बीच नाइट स्कीइंग का रोमांच देखने को मिला। विंटर गेम्स एसोसिशन आफ उत्तराखंड की ओर से औली में अंतराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नंदा देवी स्लोप में आयोजित इस अनूठी प्रतियोगिता ने साबित कर दिया कि उत्तराखंड का यह पर्यटन केंद्र अब यूरोप और अमेरिका के स्की-रिसार्ट्स को टक्कर देने के लिए पूरी तरह तैयार है। आमतौर पर विदेशों में होने वाले इस तरह के नाइट इवेंट्स को भारत में पहली बार जमीन पर उतारा गया। कड़ाके की ठंड और ऊंचाइयों पर जमी बर्फ के बीच जब फ्लड लाइट्स जलाई गईं तो पूरा नजारा किसी जादुई दुनिया जैसा नजर आने लगा। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के स्थानीय जांबाजों के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों से आए स्कीइंग खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। रात के अंधेरे में स्की पर सवार होकर ढलानों से नीचे उतरते खिलाड़ियों का कौशल देख पर्यटक और आयोजक दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर हो गए। विंटर गेम्स एसोसिएशन के सह सचिव एवं कोच अजय भट्ट ने इस ऐतिहासिक आयोजन पर खुशी जताते हुए कहा कि औली में दिन के समय कई बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं हुई हैं, लेकिन नाइट स्कीइंग का यह पहला अनुभव है।

उज्जैन में विक्रम व्यापार मेला हुआ शुरू, सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया शुभारंभ

इलेक्ट्रिक कारों पर 100% रोड टैक्स माफी, अन्य वाहनों पर 50% की मिलेगी छूट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर रविवार शाम से ऑटोमोबाइल कारोबार के सबसे बड़े केंद्र में बदल गया, जब 'विक्रम व्यापार मेला' का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फीता काटकर मेले की शुरुआत की। उद्घाटन के साथ ही वाहन बाजार में डीलरों के चेहरों पर अलग ही चमक नजर आई।

उज्जैन में शुरू हुए विक्रम व्यापार मेले की सबसे बड़ी खासियत इस बार रोड टैक्स में भारी राहत है।पेट्रोल-डीजल वाहनों पर 50 प्रतिशत तक की छूट और 20 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों पर शत-प्रतिशत रोड टैक्स माफी ने बाजार में नई जान फूंक दी है। इस छूट से ग्राहकों को वाहन की श्रेणी के अनुसार 30 हजार से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक का सीधा फायदा मिल रहा है।

टैक्स में राहत, ग्राहकों को मिलेगा फायदा- आरटीओ संतोष मालवीय के मुताबिक सामान्य दिनों में 10 लाख रुपये की कार पर 8 प्रतिशत यानी 80 हजार रुपये रोड टैक्स लगता था, जो मेले के दौरान घटकर मात्र 4 प्रतिशत यानी 40 हजार रह गया है। 15 लाख रुपये की कार खरीदने पर करीब 75 हजार रुपये की बचत और 25 लाख की लग्जरी कार पर सीधे 1.50 लाख रुपये की राहत मिल रही है। सबसे बड़ा आकर्षण 20 लाख तक की इलेक्ट्रिक कारों पर रोड टैक्स पूरी तरह शून्य होना है। सरकार के इस फैसले को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

ऑन-स्पॉट लोन की सुविधा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम- मेले में बैंक और फाइनेंस कंपनियों के विशेष काउंटर लगाए गए हैं, जहां ग्राहकों को ऑन-द-स्पॉट लोन स्वीकृति की सुविधा मिल रही है।

परिसर में चौपहिया वाहनों के 139 और दोपहिया के 36 भव्य स्टॉल तैयार किए गए हैं। पूरे क्षेत्र को अत्याधुनिक सीसीटीवी और डिजिटल निगरानी तंत्र से जोड़ा गया है, ताकि सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहे।

हर साल टूट रहे बिक्री के रिकॉर्ड

वर्ष 2024 में 23,705 वाहनों की बिक्री
वर्ष 2025 में बढ़कर 36,223 वाहन बिके

निगम को 4 करोड़ की आय- विक्रम व्यापार मेले में नगर निगम को भूखंड आवंटन से 4 करोड़ रुपये की आय हुई है। इसमें 139 चौपहिया वाहन शोरूम। 36 दोपहिया स्टॉल। 60 बैंकिंग/फाइनेंस भूखंड तथा 2 कार डेकोर भूखंड शामिल है इसके अलावा 1000 वर्गफीट के एक भूखंड के लिए सर्वाधिक बोली 8 लाख रुपये तक पहुंची। इस बार श्रृंगार और सजावटी स्टालों के बजाय ऑटोमोबाइल सेक्टर में भूखंड लेने की होड़ ज्यादा रही।

नया रिकॉर्ड बनाएगा व्यापार मेला- मेले के शुभारंभ अवसर पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने विश्वास जताया कि पिछले दो वर्षों की तरह इस बार भी विक्रम व्यापार मेला बिक्री का नया इतिहास रचेगा। टैक्स में छूट, आसान लोन सुविधा और डिजिटल प्रबंधन ने मेले को ग्राहकों के लिए बेहद आकर्षक बना दिया है।

क्या होगा ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के प्रस्ताव का? अतीत में खारिज हुए हैं तीन आवेदन; नेहरू ने दिया था खास संदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में उस समय के लोकसभा अध्यक्ष जीवी मावलंकर को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसदों को संदेश दिया कि वे किसी भी व्हिप या निर्देश से बंधे नहीं हैं।

उन्होंने सभी सांसदों से आग्रह किया कि वे इस मामले पर पार्टी संबंधों की परवाह किए बिना विचार करें। नेहरू ने तब तत्कालीन लोकसभा सदस्यों से कहा कि इस मुद्दे को पार्टी के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सदन की गरिमा के संदर्भ में देखना चाहिए। ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव मौजूदा समय में लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने का नोटिस विपक्षी सदस्यों द्वारा पिछले मंगलवार को लाया गया। यह नोटिस नौ मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत में सूचीबद्ध होगा। विपक्ष द्वारा स्पीकर बिरला को हटाने का प्रस्ताव लाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतीत में ऐसे ही तीन अवसरों पर चर्चा की जा रही है। पहली ऐसी स्थिति 18 दिसंबर, 1954 को आई जब विपक्ष तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मावलंकर को हटाने के लिए प्रस्ताव लाया। तब इस प्रस्ताव के समर्थन में 50 से अधिक सदस्यों ने बहस की। नेहरू ने बहस में विपक्ष को अधिक समय देने का आग्रह किया।

विपक्ष का आरोप- विपक्ष ने नेहरू पर तीखे हमले कर तबके स्पीकर पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। तब नेहरू ने स्पीकर का बचाव कर कहा कि जब संसद की गरिमा की बात आती है, तो यह गंभीर मामला है। जब हम स्पीकर की ईमानदारी को चुनौती देते हैं, तो हम अपने देशवासियों और दुनिया के सामने छोटे बन जाते हैं। कांग्रेस के पास 360 से अधिक सदस्यों के साथ एक मजबूत बहुमत था और प्रस्ताव को ध्वनि मत से खारिज किया गया।

1966 में स्पीकर सरदार हुकम सिंह के खिलाफ प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि तब प्रारंभिक समर्थन के लिए आवश्यक 50 सदस्यों का समर्थन नहीं जुटा सका। 15 अप्रैल, 1987 को विपक्ष के तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ को हटाने का प्रस्ताव लाने पर राजीव गांधी ने 1954 के प्रस्ताव बहस से नेहरू की टिप्पणियों का दो बार उद्धरण दिया और स्पीकर की ईमानदारी पर सवाल उठाने पर विपक्ष की निंदा की। प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया।

संसद परिसर में कुत्ता लाने पर रेणुका चौधरी की बढ़ेंगी मुश्किलें, विशेषाधिकार हनन का दिया गया नोटिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य रेणुका चौधरी को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को संसद परिसर में लाने और सांसदों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया है।

राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने चौधरी के खिलाफ एक शिकायत पर संज्ञान लिया है। उन्हें 23 फरवरी तक आरोपों का जवाब देने के लिए कहा गया है। संसद के विगत शीतकालीन सत्र के दौरान एक दिसंबर को चौधरी आवारा कुत्ते को अपनी कार में संसद लेकर आई थीं। जब कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई तो उन्होंने कहा था कि अंदर बैठे लोग काटते हैं, कुत्ते नहीं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा सांसद बृजलाल और इंदु बाला गोस्वामी ने चौधरी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। इसे राज्यसभा के सभापति ने विशेषाधिकार समिति को भेज दिया।

केमिकल फैक्ट्री में भीषण धमाका, दो की मौत, कई घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक में कर्केट्टे गांव के पास एक फैक्ट्री में रासायनिक भंडारण टैंक के विस्फोट के कारण दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट तब हुआ जब रासायनिक फैक्ट्री को स्थानांतरित किया जा रहा था। दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को यहां मंड्या इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह सुविधा कुछ समय से कर्केट्टे से नए स्थान पर अपने सामग्रियों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में थी और यह दुर्घटना रविवार को तब हुई जब रासायनिक टैंक को साफ किया जा रहा था।

अब गांवों में होगा विकास का कार्य, कोर कॉमन सर्विस का होगा विस्तार; बदलेगी तस्वीर

नई दिल्ली/ जीएनएस। नागरिक चार्टर (1997), सार्वजनिक सेवा अधिकार अधिनियम (2011) और मैसूर घोषणा-पत्र (2021) जैसे सुधारों ने ग्राम पंचायत स्तर पर नागरिकों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई हैं, लेकिन बदलते वक्त के साथ अब इनके विस्तार की जरूरत महसूस की जा रही है।

खास तौर पर जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य तय किया है तो गांवों में ईज आफ लिविंग बढ़ाने को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दिशा में प्रयासरत पंचायतीराज मंत्रालय ने जब राज्यों की भागीदारी रखते हुए एक केंद्रीय समिति गठित की तो विमर्श-परामर्श की प्रक्रिया में सुधारों को लेकर राज्य काफी उत्सुक नजर आए।

समिति की गठित - समिति ने कोर कामन सर्विस (अनिवार्य सेवाएं) की सूची को जहां 50 तक करने की सिफारिश की है, वहीं राज्यों ने सेवाओं की संख्या 70 से अधिक करने का सुझाव दिया है। पंचायतीराज मंत्रालय इन सिफारिशों-सुझावों के आधार पर ब्लूप्रिंट तैयार कर अब अधिक नागरिक सेवाओं को ग्राम पंचायत स्तर पर अनिवार्य कर सकता है।

पंचायतीराज मंत्रालय ने कर्नाटक सरकार के पंचायतीराज विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव उमा महादेवन की अध्यक्षता में समिति गठित की, जिसमें सदस्य संयोजक के रूप में पंचायतीराज मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव आलोक प्रेम नागर के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार, अमेरिकी ट्रेड डील पर प्रधानमंत्री से पूछे सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका से हुए अंतरिम ट्रेड डील के खिलाफ अपने तेवरों में किसी तरह की नरमी नहीं लाने का इरादे साफ करते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पांच सवाल पूछे। साथ ही कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस ट्रेड डील के नाम पर देश के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री से कुछ आसान सवाल पूछना चाहता हूं।

पहला डीडीजी इंपोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टीलर्स ग्रेन खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?

दूसरा सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?

कांग्रेस नेता ने पीएम से तीसरा सवाल किया कि जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?

दुनिया देखेगी भारत के AI की ताकत... इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में 16 देशों के राष्ट्राध्यक्ष से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। 16 से 20 फरवरी 2026 तक राजधानी में आयोजित होने जा रहे इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को भारत सरकार ने अभूतपूर्व वैश्विक आयोजन का स्वरूप दिया है। यह शिखर सम्मेलन तीन सूत्रों पर आधारित है, पीपुल, प्लैनेट और प्रोग्रेस, जो एआई सहयोग के प्रति भारत की समग्र सोच को बताता है।

ऐसे समय में जब यह व्यापक रूप से माना जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक कूटनीति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शासन व्यवस्था की दिशा तय करने में भी केंद्रीय भूमिका निभाएगा, भारत ने इस मंच को रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में सामने रखा है।

16 देशों के राष्ट्राध्यक्ष लेंगे हिस्सा- सरकारी सूत्रों के मुताबिक, एआई इम्पैक्ट समिट-2026 इस दृष्टिकोण से भारत के लिए केवल एक प्रौद्योगिकी सम्मेलन नहीं, बल्कि वैश्विक नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर है। सरकार इसे आर्थिक कूटनीति, प्रौद्योगिकी सहयोग और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने के व्यापक अभियान के रूप में देख रही है।

पीएम मोदी के आमंत्रण पर 16 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख इस समिट में भाग लेने आ रहे हैं, जिनमें भूटान के पीएम त्शेरिंग टोबगे, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज लूला दा सिल्वा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा, स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति गाय परमेलिन, नीदरलैंड के पीएम डिक स्कूफ, फिनलैंड के पीएम पेट्टेरी आर्पो, ग्रीस के पीएम किरियाकोस मित्सोटाकिस, स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज, मॉरीशस के पीएम नवीनंद्र रामगुलाम, यूएई से अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान प्रमुख हैं। पीएम मोदी करेंगे मुलाकात

इसके अतिरिक्त 45 से अधिक देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, संयुक्त राष्ट्र महासचिव तथा कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे। सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी इन सभी नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करेंगे, जिससे यह समिट तकनीकी विमर्श के साथ-साथ उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद का भी मंच बनेगा।

एमआर-4 रोड पर अंधे कत्ल का खुलासा, लूट के इरादे से की गई थी हत्या दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के एमआर-4 रोड, भागीरथपुरा क्षेत्र में हुए सनसनीखेज अंधे कत्ल का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 11 फरवरी 2026 को हुई इस निर्मम हत्या में लूट के उद्देश्य से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या की गई थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

12 फरवरी 2026 को थाना बाणगंगा क्षेत्रांतर्गत पुलिस चौकी भागीरथपुरा को एमआर-4 रोड किनारे एक अज्ञात पुरुष का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि मृतक के गले पर गहरा घाव था और शरीर पर धारदार हथियार से किए गए लगभग 18 घाव मौजूद थे। आसपास पूछताछ और फोटो दिखाने पर मृतक की पहचान खोजीराम पिता लखनलाल नारंगे, उम्र 45 वर्ष, वर्तमान निवासी लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के सामने किराए के मकान, इंदौर तथा स्थायी निवासी ग्राम देवरघाटा, जिला सक्ती, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि मृतक पोलोग्राउंड स्थित युग कलर लैब में कार्यरत था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बाणगंगा में अपराध क्रमांक 275/26 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर वैज्ञानिक व तकनीकी आधार पर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के आदेशानुसार, पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री रामसनेही मिश्रा के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती रुबिना मिजवानी के निर्देशन में विशेष जांच दल गठित किया गया।

जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। क्षेत्र के दुकानदारों, रहवासियों और पूर्व अपराधियों से पूछताछ की गई तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। संकलित साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त आरोपियों की पहचान आर्यन उर्फ लड्डू पिता ओमप्रकाश वर्मा निवासी रेडवाल कॉलोनी, बाणगंगा और भरत पिता संजय वर्मा निवासी टाल वाली गली, भागीरथपुरा के रूप में की गई।

15 फरवरी 2026 की रात्रि आरोपियों को हिरासत में लेकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने हत्या की वारदात स्वीकार कर ली। आरोपियों के कब्जे से मृतक से लूटा गया पर्स, नगद राशि, मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चाकू और वारदात के समय पहने कपड़े जब्त किए गए। घटना स्थल का पुनर्निर्माण करते समय दोनों आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, जिससे रेलवे पटरियों के ब्लॉक में फंसकर वे घायल हो गए।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने मृतक को रास्ते में रोककर डराने-धमकाने के बाद लूट का प्रयास किया था। विरोध करने पर उन्होंने चाकुओं से अंधाधुंध वार कर दिए, जिससे मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। वारदात के बाद आरोपी पर्स, नगदी और मोबाइल लेकर फरार हो गए। मोबाइल ट्रेस होने के डर से उन्होंने सिम कार्ड निकालकर तोड़ दिया और मोबाइल भी क्षतिग्रस्त कर फेंक दिया। इंदौर पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता से कार्रवाई करते हुए अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

इंदौर में छात्रा की हत्या कर शराब पी और शव से अमानवीय कृत्य कर भागा था आरोपी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द्वारकापुरी की अंकल गली में एमबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की हत्या के आरोपित पीयूष धामनोदिया ने शनिवार को मुंबई के जोन-10 अंतर्गत आने वाले अंधेरी पुलिस थाने में सरेंडर कर दिया। आरोपित ने छात्रा से दुष्कर्म के बाद पहले गला घोंटा और बाद में सीने में चाकू घोंप दिया। आरोपित की घिनौनी हरकत का अंदाजा इसी बात से लगता है कि उसने हत्या के बाद शराब पी और फिर छात्रा के शव के साथ अमानवीय कृत्य किया।

पीयूष ने यह बात इंदौर और मुंबई पुलिस को बयान में बताई है। आरोपी गुस्सैल प्रवृत्ति का बताया जा रहा है। उसने छात्रा के साथ अपने निजी वीडियो भी वायरल कर दिए थे। डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी के अनुसार प्रजापत नगर निवासी 24 वर्षीय युवती सांवेर रोड स्थित निजी कालेज में एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। मूलतः मंदसौर निवासी पीयूष धामनोदिया भी उसके साथ पढ़ता था। पिछले साल सितंबर से दोनों रिलेशनशिप में थे।

मुंह में कपड़ा ठूंसकर चाकू भी घोंप दिया था - पीयूष ने छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बना लिए थे। शादी की जिद करने पर उसने गला घोंट दिया। जिंदा न बच पाए इसलिए मुंह में कपड़ा ठूंसा और चाकू घोंप दिया। पुलिस से बचने के लिए उसने नया सिमकार्ड खरीदा और मुंबई चला गया। इस दौरान मेट्रो में ही घूमता रहा।

शनिवार को ब्रिज से उतरने के दौरान अंधेरी पुलिस का बोर्ड देखा और थाने में घुस गया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी से कहा- मेरा नाम पीयूष धामनोदिया है और मैंने अपनी दोस्त की हत्या कर दी है। द्वारकापुरी पुलिस भी मोबाइल लोकेशन से अंधेरी क्षेत्र में घूम रही थी। सरेंडर की सूचना मिलते ही सिपाही अंधेरी पहुंचे और पीयूष को हिरासत में ले लिया।

हत्या के इरादे से ही छात्रा को कमरे में ले गया था आरोपित- आरोपी पीयूष सहपाठी छात्रा को हत्या के इरादे से ही कमरे पर ले गया था। जनकपुरा धानमंडी (मंदसौर) निवासी पीयूष से छात्रा की पिछले साल दोस्ती हुई थी।

उसने छात्रा से शादी करने का वादा किया था। छात्रा के स्वजन ने इस संबंध में चर्चा भी की थी लेकिन पीयूष के स्वजन ने शादी से इन्कार कर दिया था। इसके बाद छात्रा ने शादी का दबाव बनाना शुरू किया। पीयूष छात्रा पर शक करने लगा और दोस्तों से बात करने पर पाबंदी लगा दी।

सोशल मीडिया आईडी और एप पर आपत्ति लेने लगा था। 10 फरवरी को वह विवाद सुलझाने का बोलकर हत्या के इरादे से ही अंकल गली स्थित कमरे पर ले गया और बातों में उलझाया।

खजराना गणेश मंदिर में महाशिवरात्रि पर कलेक्टर ने किया पूजन-अर्चन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज श्री खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर इंदौर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, मंदिर के पुजारीगण, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण रहा। पूजन के पश्चात उपस्थित भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर में विशेष सजावट की गई थी तथा दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

मंत्री सिलावट ने देवगुराडिया गुटकेश्वर महादेव मंदिर मेले का किया शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने देवगुराडिया स्थित प्रसिद्ध गुटकेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री मधु वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री विश्वजीतसिंह सिसौदिया, श्री देवराजसिंह परिहार, श्री रवि दुबे, जिला पंचायत सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, श्री रामस्वरूप गेहलोत, श्री विष्णु चौधरी, श्री धनसिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रियंका टैगौर सहित सैकडों धर्मप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर देवगुराडिया स्थित प्रसिद्ध गुटकेश्वर महादेव मंदिर में सपरिवार पत्नी श्रीमती सुनीता सिलावट एवं पुत्र श्री बंकिम सिलावट सहित पुत्रवधु के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को प्रसादी फलाहारी खिचडी का वितरण भी किया।

डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास को मिली नई गति, रक्षा मंत्रालय से मिली भूमि से हटे अतिक्रमण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में लंबे समय से आ रही बड़ी बाधा अब दूर हो गई है। रेलवे को रक्षा मंत्रालय से आवश्यक भूमि हस्तांतरित कर दी गई है और संबंधित क्षेत्र में वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण को पूरी तरह हटा दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई से स्टेशन के विस्तार और आधुनिकीकरण की राह आसान हो गई है।

डॉ. अम्बेडकर नगर से पातालपानी के मध्य किलोमीटर 514/9 से 515/3 तथा 515/22 से 515/26 के बीच कुल 1,51,613 वर्ग फीट भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इस भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 13.45 करोड़ रुपये बताई गई है। रक्षा संपदा विभाग द्वारा यह संपूर्ण भूमि रेलवे को औपचारिक रूप से हस्तांतरित कर दी गई है, जिससे विकास कार्यों में तेजी लाई जा सकेगी।

भूमि उपलब्ध होने के बाद स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 4 का विस्तार संभव हो पाएगा। वर्तमान में यह प्लेटफार्म लगभग 400 मीटर लंबा है, जिस पर केवल 14 कोच वाली ट्रेनें ही रुक पाती हैं। विस्तार के बाद इसे फुल लेंथ प्लेटफार्म बनाया जाएगा, जिससे पूरी लंबाई वाली एक्सप्रेस और लंबी दूरी की ट्रेनें भी यहां आसानी से संचालित की जा सकेंगी।

इसके साथ ही लाइन नंबर 5 और 6 का भी विस्तार किया जाएगा, जिससे शंटिंग व्यवस्था अधिक सुचारु होगी और ट्रेनों के संचालन में लचीलापन आएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस सुधार से स्टेशन की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और ट्रेनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगी।

भविष्य की दृष्टि से यह कदम और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इंदौर रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्य के दौरान कई ट्रेनों को डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन पर स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे इंदौर क्षेत्र में रेल यातायात बाधित नहीं होगा। इसके अलावा वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन के लिए भी यह स्टेशन एक प्रमुख विकल्प के रूप में तैयार रहेगा।

रेलवे द्वारा उठाया गया यह कदम डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और क्षेत्रीय रेल संचालन व्यवस्था को अधिक मजबूत, व्यवस्थित और यात्रियों के लिए सुविधाजनक बनाएगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में मध्यप्रदेश करेगा एआई-सक्षम शासन और डीप-टेक नवाचारों का प्रदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा। समिट में प्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ÷मध्यप्रदेश पैवेलियन÷ स्थापित कर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रदर्शनी हॉल-4, प्रथम तल, बूथ क्रमांक 4स्न32 एवं 4स्न34 में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होगी। मध्यप्रदेश पैवेलियन में एआई-सक्षम शासन मॉडल, डीप-टेक नवाचारों और स्टार्टअप आधारित समाधानों का व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। यह सहभागिता 15 जनवरी 2026 को भोपाल में आयोजित रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस के बाद हो रही है, जहाँ प्रदेश ने शासन, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी तंत्र और औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया था।

समिट में प्रदेश के चार प्रमुख शासकीय विभागों द्वारा एआई के व्यावहारिक उपयोग प्रस्तुत किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा टीबी जोखिम पूर्वानुमान के लिए पीएटीओ, एआई आधारित मल्टीमॉडल टीबी स्क्रीनिंग के लिए सीएटीबी, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य के लिए संवादात्मक एआई आधारित सुमन सखी और शासकीय अस्पतालों में निदान दक्षता बढ़ाने के लिए एआई-सहायित रेडियोलॉजी निर्णय समर्थन पायलट प्रदर्शित किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मनरेगा के लिए एआई-चालित जिला प्रदर्शन प्रतिवेदन प्रणाली प्रस्तुत करेगा, जो लाइव एपीआई डेटा को केपीआई बेंचमार्किंग, अपवाद पहचान और ब्लॉक एवं पंचायत स्तर तक एआई-जनित अंतर्दृष्टियों में परिवर्तित कर जमीनी स्तर पर योजना निर्माण और पारदर्शिता को सुदृढ़ बनाती है। शहरी प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा एमपी अर्बन लॉकर, जेनरेटिव एआई आधारित जीआईएस गरुड़ लैब, एआई-सक्षम फ्लीट एवं ईंधन प्रबंधन प्रणाली और ई-नगर पालिका एकीकरण ढांचा प्रदर्शित किया जाएगा। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड होलोग्राफिक डिस्प्ले, महाकाल दर्शन अनुभव, इंटरैक्टिव डिजिटल कियोस्क और वीआर आधारित 360 डिग्री पर्यटन सहभागिता उपकरण प्रस्तुत करेगा, जो पर्यटन प्रोत्साहन के लिए उन्नत डिजिटल इंटरफेस को दर्शाते हैं।

पैवेलियन में एमपीएसईडीसी की एआई पहलों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। ये पहलें संप्रभु एआई, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म और एआई, डीप-टेक, एवीजीसी-एक्सआर, हेल्थ-टेक, एग्री-टेक एवं औद्योगिक स्वचालन जैसे क्षेत्रों में निवेश प्रोत्साहन को रेखांकित करती हैं।भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित अन्य नवाचार केंद्रों से स्टार्टअप्स उत्पादन-तैयार एआई समाधान प्रस्तुत करेंगे। इनमें संप्रभु एआई प्लेटफॉर्म, बहुभाषी डिजिटल अवतार, टेली-फिजियोथेरेपी उपकरण, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए एआई एजेंट, औद्योगिक पूर्वानुमान एवं डिजिटल ट्विन, एआई आधारित कृषि समाधान, फसल निदान प्रणाली, रोबोटिक्स और जेनेरेटिव एआई आधारित सृजनात्मक तकनीक शामिल हैं।

भारत मंडपम, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश पैवेलियन में सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, औद्योगिक स्वचालन, शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों को समाहित करते हुए राज्य के समग्र एआई पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करेगा। इस पहल के माध्यम से प्रदेश एआई आधारित शासन एवं आर्थिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर होते हुए स्वयं को टियर-2 प्रौद्योगिकी नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है।

देश में सबसे पहले इंदौर में शुरू हुई मकान जनगणना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के निर्देशानुसार शुरू होने जा रहे जनगणना अभियान के पहले चरण में मकानों की गणना की जानी है। इस क्रम में देश में सबसे पहले इंदौर में मकान गणना का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इंदौर नगर निगम के जोन क्रमांक 3 ने स्नेहलतागंज क्षेत्र में एक ब्लॉक बनाकर मकान गणना का कार्य पूरा किया। 1 मई से शुरू होगा पहला चरण

प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को भोपाल में 55 जिलों के कलेक्टर और 16 नगर निगम आयुक्तों को प्रशिक्षण दिया। यह जनगणना 1 मई से शुरू होगी। पहले चरण में एक महीने के भीतर मकानों की गणना का कार्य पूरा किया जाएगा। सन् 1931 के बाद पहली बार जनगणना के साथ जातिगत जनगणना भी की जाएगी। साथ ही देश के इतिहास में पहली बार यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी।

प्रशिक्षण से पहले इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए थे। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार 180 से 200 मकान या लगभग 1000 सदस्यों का एक ब्लॉक बनाया जाएगा। प्रत्येक मकान को नंबर देकर गणना की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश के बाद जोनल कार्यालय क्रमांक 3 के जोनल अधिकारी राज ठाकुर ने स्नेहलतागंज गली नंबर 4 और 5 को मिलाकर पहला ब्लॉक तैयार किया। इस ब्लॉक में 141 मकान पाए गए, जिनमें लगभग 1300 नागरिक निवास करते हैं। सभी मकानों पर जनगणना नंबर अंकित कर दिए गए हैं। अब दूसरे ब्लॉक के गठन की तैयारी की जा रही है। कलेक्टर की पहल के चलते इंदौर देश में सबसे पहले मकान गणना का कार्य शुरू करने वाला शहर बन गया है।

इंदौर में आईईटी में रैगिंग के लिए उकसाने वाले प्रथम वर्ष के चार विद्यार्थी होंगे निष्कासित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) ने रैगिंग को लेकर रिपोर्ट तैयार कर ली है, जिसमें प्रथम वर्ष के चार विद्यार्थियों पर सख्त कार्रवाई की गई है। इन्हें सीनियर को रैगिंग दिए जाने को लेकर सहपाठियों पर दबाव बनाने का दोषी पाया गया है।

एंटी रैगिंग कमेटी (एआरसी) ने चार विद्यार्थियों को कोर्स से बाहर करने का फैसला लिया है। रिपोर्ट में निष्कासन की अनुशंसा की गई है। जबकि 11 विद्यार्थियों को हॉस्टल से बाहर कर दिया गया है। इन पर अर्थदंड भी लगाया गया है। रैगिंग की रिपोर्ट कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई को भेज दी गई। करीब दो सप्ताह पहले प्रथम वर्ष के कुछ विद्यार्थियों ने रैगिंग की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया गया था कि डी हॉस्टल में कुछ छात्र जूनियर्स पर दबाव बनाते हैं। आरोप था कि उन्हें सीनियर्स के पास जाकर जबरन परिचय देने के लिए उकसाया जाता है। इतना ही नहीं, सिगरेट पीने के लिए भी मजबूर किया जाता है।

बैच आउट कर दिया जाता है- इन्कार करने पर विद्यार्थियों को 'बैच आउट' कर दिया जाता है। बैच आउट यानी ऐसे विद्यार्थियों को सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। उन्हें सीनियर्स के सामने सिर झुकाकर और हाथ जोड़कर बात करने को कहा जाता है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संस्थान ने तुरंत जांच शुरू कर दी।

शिकायत के अलावा एंटी रैगिंग कमेटी ने ऑडियो रिकॉर्डिंग की भी जांच की।

अवैध मादक पदार्थ तस्करी में 10 हजार का ईनामी आरोपी गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। अवैध गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे 10,000 रुपये के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर थाना अपराध शाखा में दर्ज प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशानुसार शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा गोपनीय सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी मगन अखाड़े निवासी देवास को इंदौर के तीन इमली बस स्टैंड क्षेत्र से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

उल्लेखनीय है कि अपराध क्रमांक 171/25 में पूर्व में आरोपी गोरेलाल निंगवाल को गिरफ्तार किया गया था। उसके कब्जे से करीब 21 किलो 505 ग्राम गांजा, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 8 लाख रुपये आंकी गई थी, तथा एक चार पहिया केरीयर वाहन जब्त किया गया था। पूछताछ में आरोपियों ने सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक कीमत पर बेचने की बात स्वीकार की थी।

मामले की जांच के दौरान मगन अखाड़े की संलिप्तता सामने आई थी, जिसके बाद उस पर 10,000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को अब गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 171/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है।

स्वच्छता अभ्यास वर्ग व स्वच्छ वार्ड रैंकिंग कार्यशाला का आयोजन, 3आर सेंटर का लोकार्पण और 'इंदौर RRR टैलेंट (डिजिटल)' की लॉन्चिंग आज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नवाचार और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इंदौर नगर निगम द्वारा 16 फरवरी, सोमवार को प्रातः 10ः30 बजे केसर बाग स्थित आरआरआर केंद्र पर स्वच्छता अभ्यास वर्ग एवं स्वच्छ वार्ड रैंकिंग अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में माननीय महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर आयुक्त, सभापति, महापौर परिषद सदस्य तथा सभी पार्षदगण भी उपस्थित रहेंगे।

स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप वार्ड स्तर पर बेहतर योजना, प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी सुनिश्चित करना है, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक परिणामोन्मुख एवं सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान 400 अंकों की स्वच्छ वार्ड रैंकिंग टूलकिट पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी और पार्षदों का अभिमुखीकरण किया जाएगा। इसके माध्यम से प्रत्येक वार्ड में साफ-सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, जनसहभागिता, आरआरआर गतिविधियों तथा अन्य स्वच्छता मानकों के आधार पर मूल्यांकन की प्रक्रिया को स्पष्ट किया जाएगा। इससे वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और नागरिक सहभागिता में वृद्धि होगी।

कार्यशाला में पार्षद दल द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन दौरे के अनुभव भी साझा किए जाएंगे। सूरत, नवी मुंबई और विशाखापट्टनम जैसे शहरों में स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वेस्ट-टू-एनर्जी मॉडल के अध्ययन से प्राप्त श्रेष्ठ व्यवस्थाओं को इंदौर में लागू करने की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। इससे शहर में स्वच्छता प्रबंधन को और अधिक आधुनिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा तय की जाएगी।

इस अवसर पर केसर बाग स्थित आरआरआर (Reduce, Reuse, Recycle) केंद्र का विधिवत लोकार्पण भी किया जाएगा। यह केंद्र नागरिकों को अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए प्रेरित करेगा तथा परिपत्र अर्थव्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही इंदौर RRR टैलेंट (डिजिटल) का औपचारिक लॉन्च भी किया जाएगा, जिसके माध्यम से शहर की स्वच्छता एवं विकास गतिविधियों में तकनीकी नवाचार और प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा।

पशुपतिनाथजी मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की बिखरी खुशियां, शिवमय रहा दशपुर

अलसुबह से खुले मंदिर के द्वार, रात के चारों पहर हुआ विशेषभिषेक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भूतभावन स्थित अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर, विश्वपति शिवालय सहित जिले भर में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पशुपतिनाथ लोक लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने सुबह 4 बजे से ही मंदिर के द्वार खोल दिए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर में करीब 200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई। साथ ही 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से पूरे परिसर की निगरानी की जाती रही।

महाशिवरात्रि पर मंदसौर के अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ा। रविवार होने की वजह से बड़ी संख्या में भक्त भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। भगवान की अष्टमुखी प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। 11 क्विंटल खीर और 51 क्विंटल खिचड़ी का प्रसाद वितरण हुआ। मंदिर की आकर्षक विद्युत सज्जा देखते ही बनती है। हाल ही में लोकार्पित हुए पशुपतिनाथ लोक को निहारने भी भक्त बड़ी संख्या में पहुंचे। मंदसौर के शिवना नदी के तट पर स्थित विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथजी महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। रविवार होने की वजह से भक्तों का उत्साह और अधिक देखने को मिला। प्रातः 4 बजे ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों ने कतारबद्ध होकर भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जबकि मंदिर परिसर में लगे आधा सैकड़ा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। शिवना नदी के घाट पर एसडीआरएफ की टीम मोटर बोट के साथ तैनात रही। मंदिर के पुजारियों ने भगवान पशुपतिनाथजी की विशालकाय प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया और मंगला आरती के बाद विशेष शृंगार किया और गर्भगृह को फूलों से सजाया गया, जिससे मंदिर की अलौकिक छटा देखने लायक थी।

महाशिवरात्रि पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा 11 क्विंटल खीर और 51 क्विंटल खिचड़ी का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया वहीं, मंदिर पर की गई आकर्षक विद्युत सज्जा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदसौर के सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, चंदरसिंह सिसोदिया और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन किए।

पशुपतिनाथ मंदिर के पुजारी राकेश व्यास के अनुसार, महाशिवरात्रि की रात को चारों पहर में विशेष अभिषेक और आरती की जाएगी। पट सोमवार दोपहर 1 बजे भगवान के शयनकाल में बंद होंगे। इस महाशिवरात्रि पर लगभग 50 हजार भक्तों ने भगवान पशुपतिनाथजी के दर्शन किए, जिससे मंदिर परिसर भक्ति और आस्था से सराबोर हो गया।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं विद्यार्थी कल्याण एनटीएफ के अंतर्गत तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

बैतूल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय सारनी बगडोना में राष्ट्रीय टास्क फोर्स एनएफटी मानसिक स्वास्थ्य एवं विद्यार्थी कल्याण के अन्तर्गत तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य श्री प्रदीप पंद्राम एवं एनटीएफ नोडल अधिकारी डॉ. दीपक कुमार मानकर के संरक्षण में किया गया। इस कार्यशाला में श्री प्रदीप पंद्राम ने कहा कि प्रायः सभी व्यक्तियों के जीवन में कुछ न कुछ तनाव होता है। सम्मान की चाह सभी में होती है। किसी का ज्यादा, तो किसी का कम सम्मान होना भी तनाव कारण है। तनाव व्यक्ति के भीतर नही, बल्कि बाहरी परिस्थितियों के टकराव से उत्पन्न होता है। मनुष्य के भीतर तनाव बाहरी आवरण से आता है। इसे कम करने के लिए हमें नकारात्मक से सकारात्मक की ओर अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश कर तनाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। साथ ही आपने समस्त विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को यह तनाव प्रबंधन कार्यशाला के माध्यम से तनाव से बचने के लिए प्रेरित किया। इसके अन्तर्गत मैं अकेला नहीं हूँ विषय पर विद्यार्थियों द्वारा समूह चर्चा भी की गई। छात्र भूपेन्द्र यादव ने कहा कि तनाव का कारण व्यक्ति खुद स्वयं है। व्यक्ति दूसरे के योग्यता को देखकर स्वयं की योग्यता का कम आकलन करता है, जो आगे चलकर तनाव का कारण बनता है। डॉ. गोलमन आहके ने कार्यक्रम का संचालन कर आभार व्यक्त किया तथा कहा कि विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद करियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ हरीश लोखंडे एवं डॉ राजेश कुमार हनोते, श्री मनोज नागले, श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ दशरु यदुवंशी, श्री उत्तम साहू, श्री दिनकर लिखितकर, श्रीमती अर्चना महाले, श्रीमती कविता धोटे, श्रीमती निकिता सोनी, श्रीमती दीपिका सोनी, श्रीमती अनीता नागले, श्रीमती गंगा चौरे, श्रीमती लक्ष्मी नागले श्रीमती श्री अनुज हलदार श्रीमती रीना उईके, सुश्री प्रियंका दवंडे एवं विद्यार्थी प्रज्ञा चतुर्वेदी, प्रगतिसिंह, अमन कश्यप, दुर्गेश वरकड़े, श्रेया परमार, पियूष पवार आदि उपस्थित रहे।

दलौदा पुलिस ने ट्रक में भरे किराना सामान के नीचे छिपाया डोडाचूरा पकड़ा, एक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना प्रभारी शुभम व्यास एवं उनकी टीम ने मुखबिरी पर एक ट्रक में भरे किराना सामान के नीचे छिपाया 40 कीलो डोडाचूरा पकड़ा है। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार करना बताया गया है। साथ ही 01 लाख 40 हजार रुपये भी जब्ती में लिए गए हैं। घटना अनुसार थाना दलौदा पर दिनांक 14.02.26 को सउनि प्रमोदसिंह तोमर तथा टीम द्वारा हाईवे रोड गौशाला के पास दलौदा से एक ट्रक को हमराह फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकडा। ट्रक में किराना सामान के नीचे छिपाकर ले जा रहे 40 किलोग्राम डोडाचूरा सहित 01 लाख 40 हजार रुपये नगदी जप्त कर आरोपी औकार सिह पिता खजान सिह जाट सिक्ख उम्र 45 वर्ष निवासी तरणतारन पंजाब को एनडीपीएस के समस्त आज्ञापाक प्रावधानो का पालन करते हुये मामला पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। इस सराहनीय कार्य में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, उनि आरएस पंवार, सउनि प्रमोदसिंह, प्र.आर. जितेन्द्रसिंह आर. युवराज सिंह, आर.परिमालसिंह ,आर. गोपाल कृष्ण, आर सुनील यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पिपलिया फोरलेन पर कार की टक्कर से दम्पत्ति की मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू-नीमच हाईवे पर दो अलग-अलग सड़क हादसों ने क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पहले हादसे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दम्पत्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे हादसे में अज्ञात ट्रक की टक्कर से महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ही मामलों में वाहन चालक हादसे के बाद फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब तीन बजे पिपलिया चौपाटी से आगे 'रोड़ के राजा स्थान' के समीप फोरलेन पर यह दर्दनाक हादसा हुआ। पिपलिया जोधा (नारायणगढ़) निवासी दिनेश पिता भंवरलाल जैन अपनी पत्नी विमलाबाई के साथ मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान फोरलेन पर टर्न लेते समय मंदसौर से नीमच की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कई फीट दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस वाहन एवं टोल एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि कार रघुनंद नागदा (27) निवासी बघाना, नीमच चला रहा था, जो घटना के बाद वाहन सहित फरार हो गया। मृत दम्पत्ति अपने पीछे दो बेटियां छोड़ गए हैं। इनमें से एक की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी अभी पढ़ाई कर रही है।

समाजसेवी अशोक अरोरा , धर्मपत्नी मनीता अरोरा के साथ पहुँचे श्री किलेश्वर महादेव की पूजा अर्चना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में करीब 500 वर्ष पुराना चमत्कारी शिवलिंग श्री किलेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान है। जिनके दर्शन मात्र से ही भक्तों के कष्ट दूर होते हैं वहीं मनचाही मनोकामना पूरी होती है। आज रविवार को महाशिवरात्रि पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर श्री किलेश्वर महादेव के भी परम भक्त हैं।

आज महाशिवरात्रि के अवसर पर समाज सेवी अशोक अरोरा ÷गंगानगर÷ उनकी धर्म पत्नी श्रीमती मनीता अरोरा के साथ श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और विशेष पूजा अर्चना की। भाभीजी श्रीमती मनीता अरोरा भी धर्म प्रेमी स्वभाव के हैं। किसी भी धार्मिक कार्य में हमेशा आगे रहते हैं।धर्म -दान में भी हमेशा उदार भाव रखते हैं।

पिताजी स्वर्गीय कश्मीरीलाल जी अरोरा की स्मृति में सुंदर बगीचे का निर्माण कराया- श्री अरोरा के पूज्य पिताजी स्वर्गीय काश्मीरीलाल जी अरोरा भी प्रतिदिन श्री किलेश्वर महादेव मंदिर जाते थे और उनकी गहरी आस्था मंदिर में थी, मंदिर में विराजित भोलेनाथ भक्तों के बिगड़े काम बना देते हैं, मान्यता है कि भोलेनाथ भक्तों की रक्षा स्वंय करते हैं।

समाजसेवी अशोक अरोरा द्वारा विगत कुछ साल पूर्व मंदिर के पीछे उजाड़ और वीरान पड़ी जगह में उनके पिताजी स्वर्गीय कश्मीरीलाल जी अरोरा की स्मृति में शानदार बगीचे का निर्माण कराया। आकर्षक फव्वारे, लाइटिंग, घास, कुर्सियां सहित कई विकास कार्य करवाए। आज यह बगीचा पिकनिक स्थल बन गया है। कोई भी इस बगीचे में कदम रखता है तो मन प्रसन्न हो जाता है। अलग ही भाव मन में उत्पन्न होते हैं। यही कारण है कि भक्त कुछ देर इस बगीचे में बैठकर मन में ताज़गी महसूस करने लगते हैं।

संकल्प से समाधान अभियान, आज जीरन में नैत्र एवं मोतियाबिंद जांच शिविर

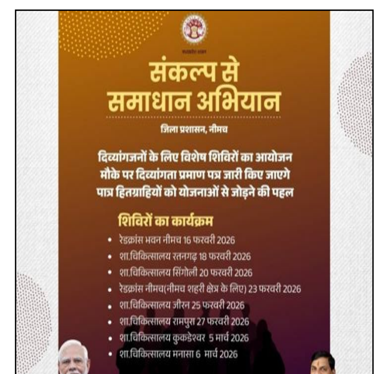

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार आज से नैत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद जांच के लिए निःशुल्क नैत्र शिविर आयोजित किए जा रहे है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में 16 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जीरन, 19 फरवरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनगढ़ तथा 21 फरवरी 2026 को सिविल हास्पीटल जावद में निःशुल्क नैत्र परीक्षण एवं उपचार के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, ने बताया, कि जिले में आयोजित किए जा रहे नैत्र रोग जांच एवं उपचार तथा मोतियाबिंद जांच शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ और नैत्र चिकित्सा सहायकों की प्रत्येक शिविर के लिए ड्यूटी लगाई गई है। डॉ.प्रसाद ने ग्रामीणजनों से इन नैत्र जांच एवं उपचार शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आगृह किया है।

नीमच में महाशिवरात्रि पर्व की धूम, शहर के राजा श्री किलेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नीमच अंचल का प्रसिद्ध श्री किलेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के विराट संगम का साक्षी बना। रविवार को हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए और पुण्य लाभ अर्जित किया।

सुबह से ही मंदिर परिसर में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। पूरा क्षेत्र जय शिव और बम-बम भोले के गगनभेदी जयघोष से भक्तिमय हो उठा। मंदिर को फूलों की आकर्षक सजावट और विद्युत रोशनी से अलौकिक स्वरूप प्रदान किया गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर छप्पन भोग का विशेष आयोजन किया गया, जिसने श्रद्धालुओं की आस्था को और भी प्रगाढ़ किया। युवा समाजसेवी अरूल अरोरा (गंगानगर) द्वारा भगवान श्री किलेश्वर महादेव को महाप्रसादी अर्पित की गई। दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ 101 क्विंटल फरियाली खिचड़ी का महाप्रसाद वितरण देर रात तक जारी रहेगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

मंदिर परिसर में लगे मेले में बच्चों के लिए झूले, खेल-कूद के साधन एवं विभिन्न खानपान स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिससे धार्मिक उत्सव के साथ मेले का आनंद भी दोगुना हो गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात है, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगा।

मान्यता है कि इस पावन धाम में सच्चे मन से की गई हर मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। महाशिवरात्रि पर उमड़ी अपार श्रद्धा ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि श्री किलेश्वर महादेव मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि जन-विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है।

वन स्टॉप सेंटर (सखी), विदिशा ने नवविवाहित दंपत्ति का रिश्ता टूटने से बचाया

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी), विदिशा ने मानवीय संवेदनशीलता और प्रभावी परामर्श के माध्यम से एक नवविवाहित दंपत्ति के रिश्ते को टूटने से बचाकर सराहनीय कार्य किया है। महज 8 माह पूर्व प्रेम विवाह करने वाले इस दंपत्ति के बीच आपसी विवाद इतना बढ़ गया था कि संबंध समाप्त होने की स्थिति निर्मित हो गई थी। ऐसे में महिला द्वारा वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर काउंसलिंग की सहायता मांगी गई।

सेंटर में विशेषज्ञों द्वारा दोनों पक्षों की नियमित काउंसलिंग कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया, गलतफहमियों को दूर किया गया तथा आपसी संवाद स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। सकारात्मक पहल के तहत सेंटर में ही पति द्वारा पत्नी को फूल, मिठाई एवं उपहार भेंट कर रिश्ते में नई मिठास घोलने का प्रयास किया गया। इस भावनात्मक पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया और दंपत्ति ने आपसी सहमति से साथ रहने एवं अपने संबंध को मजबूत बनाने का निर्णय लिया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत मिल रही समग्र सहायता- जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर वर्ष 2018 से जिला स्तर पर निरंतर कार्यरत है। इस केंद्र के माध्यम से घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे निःशुल्क एवं समग्र सहायता प्रदान की जाती है।

वन स्टॉप सेंटर में निम्न सेवाएं उपलब्ध हैं– अस्थायी आश्रय सहायता मनोवैज्ञानिक परामर्श, विधिक सहायता, चिकित्सकीय सहायता, पुलिस सहायता अन्य आकस्मिक सहयोग- उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक 7000 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। साथ ही प्रारंभ से अब तक 6458 महिलाओं का परिवार में पुनर्वास कराया गया है।

संकल्प से समाधान अभियान, रेडक्रास नीमच में आज दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में संकल्प से समाधान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। संकल्प से समाधान अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, जनजातिय कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों में दिव्यांगजनों की शीघ्र पहचान कर, उनके तत्काल दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। रेडक्रास परिसर नीमच में आज 16 फरवरी को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किया जा रहा है। उप संचालक सामाजिक न्याय श्री पराग जैन ने अधिकाधिक ऐसे दिव्यांगजन जिनका अभी तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना है, वे शिविर में उपस्थित होकर अपना दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवा सकते है।

भूत भावन भूतेश्वर नाथ निकले शाही सवारी के साथ नगर भ्रमण पर

विधि विधान से सम्पन्न हुआ शिव पार्वती का विवाह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भूत भावन भूतेश्वर नाथ शाही सवारी के साथ नगर भ्रमण पर निकले। हर वर्ष की भांति दोपहर 2 बजे भूतेश्वर महादेव मंदिर से शाही सवारी पुरे लवाजमे के साथ निकली जिसमें हाथी, घोड़े, पालकी, सिंगोली के प्रसिद्ध सांवरिया अनिल बेन्ड, भटिंडा का बैन्ड, बाबा खाटु श्याम का सुन्दर दरबार, अघोरी पार्टी, मस्का बेंड, दिनेश के ढ़ोल, स्पेशल लाइटिंग वाले डीजे, नाचने वाले घोड़े, ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा सहित अनेक झांकियां निकली शाही सवारी चौधरी मोहल्ला अहिंसा पथ बापू बाजार से तहसील कार्यालय के बाहर स्थित शिव मंदिर पर विधि विधान से शिव पार्वती का विवाह सम्पन्न हुआ विवाह पश्चात भोलेनाथ आदी शक्ति माता पार्वती को साथ लेकर शाही मे निकले जो विवेकानंद बाजार पुराना बस स्टैंड तिलस्वां चौराहा नया बस स्टैंड पेट्रोल पंप चौराहा होते हुए देर रात नंदिश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची जहां शिव पार्वती जी की महा आरती की गई ओर प्रसाद वितरण किया गया।शाही सवारी मे भाग लेने के लिए सिंगोली सहित आसपास क्षेत्र से हजारों की संख्या मे भक्तों का सैलाब उमड़ा दोपहर से ही भक्तों का आना शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सभी शिव मंदिरों पर रही भक्तों की भीड़- आज महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के सभी शिव मंदिरो पर भक्तों की जबरदस्त भीड़ रही भक्तों ने अभिषेक पुजन कर भोलेनाथ को रिझाने का काम किया

विधायक सखलेचा ओर पिछड़े मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने शाही सवारी मे पहुंच कर की पुजा अर्चना- क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने आज नगर में निकली शाही सवारी मे भाग लिया ओर शिव मंदिर पर पहुंच कर भोलेनाथ की पूजा अर्चना की ओर शिव विवाह में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई आयोजन समिति ने विधायक सखलेचा का स्वागत अभिनन्दन किया विधायक सखलेचा ने सभी से रामा शामी करते हुए सभी को महाशिवरात्रि की बधाई दी साथ शाही सवारी के आयोजकों को एक लाख ग्यारह हजार रूपए की सहयोग राशि की घोषणा की सखलेचा शाही सवारी मे बेन्ड ओर ढ़ोल की थाप पर जमकर थिरके। पिछड़े मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार सिंगोली पहुंचे पवन पाटीदार का समर्थको ने जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया पाटीदार ने भी शाही सवारी मे भाग लिया ओर भगवान शिव की पूजा अर्चना की ओर शाही सवारी मे ढोल डीजे ओर बेन्ड पर जमकर थिरके साथ ही शाही सवारी मे आए युवाओं से जोश के साथ मिले आपके साथ जिला महामंत्री अशोक सोनी विक्रम नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन भाया उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़ नगर अध्यक्ष लोकेश पटवा वरिष्ठ नेता गोपाल धाकड़,प्रदीप जैन, ऊंकार धाकड़, राजकुमार मेहता, कोशल व्यास, पवन पालीवाल, प्रशांत पालिवाल सुनिल सोनी,सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

जगह जगह रही अल्पाहार की व्यवस्था - नगर में निकली शाही सवारी मे भाग लेने वाले भक्तों के लिए सामाजिक संगठनों द्वारा अनेक स्थानों पर अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई सुबह भूतेश्वर मंदिर पर कन्हैया जंगम द्वारा एक सौ एक किलो दुध की खीर का भोग लगा कर सभी भक्तो को प्रसाद वितरित किया वही गौतमालय भवन में पत्थर व्यवसाहियों द्वारा पोहा का नाश्ता कराया गया वही विवेकानंद बाजार में पराग ज्वैलर्स पर नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन भाया एवं बगड़ा परिवार की ओर भोजन के पेकेट वितरित किए गये।

पॉलीहाउस खेती बनी वरदानः गुलाब से लाखों कमा रहीं मधुबाला पाटीदार

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कुशलगढ़-पिपलोदा की रहने वाली किसान मधुबाला पाटीदार ने पॉलीहाउस तकनीक अपनाकर गुलाब की खेती से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। उन्होंने 2 बीघा भूमि में पॉलीहाउस स्थापित कर गुलाब के फूलों की खेती शुरू की, जिससे उन्हें सालाना लगभग 25 लाख रुपये की आमदनी हो रही है। इसमें से मजदूरी एवं अन्य खर्च निकालने के बाद उन्हें 12 से 13 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा प्राप्त होता है।

मधुबाला पाटीदार ने बताया कि उनके द्वारा उत्पादित गुलाब रतलाम के अलावा भोपाल और दिल्ली तक बेचे जाते हैं, जिससे उन्हें बेहतर बाजार मूल्य मिलता है।

उन्होंने बताया कि उन्हें पॉलीहाउस मे खेती की जानकारी उन्हें उद्यानिकी विभाग के माध्यम से प्राप्त हुई तथा सरकारी योजना के अंतर्गत पॉलीहाउस निर्माण के लिए आर्थिक सहायता भी मिली। पॉलीहाउस लगाने से पहले उनका खेत उबड़-खाबड़ था, जिसे ट्रैक्टर से समतलीकरण कर खेती योग्य बनाया गया। इसके बाद 2 बीघा में पॉलीहाउस बनाकर गुलाब की खेती प्रारंभ की।

गुलाब की खेती में सफलता मिलने के बाद उन्होंने अपने खेत का विस्तार करते हुए 15 से 16 बीघा क्षेत्र में पॉलीहाउस स्थापित कर ककड़ी एवं गुलाब की खेती शुरू की। गुलाब की फसल से संबंधित तकनीकी मार्गदर्शन, खाद, कीट एवं रोग प्रबंधन की जानकारी उन्हें मोबाइल के माध्यम से प्राप्त हो जाती है।

सम्पादकीय

मेक इन इंडिया, स्वावलंबी युवा राष्ट्र हित का कर्मयोगी

स्वयं की क्षमता, शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानना आज के नव युवकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वयं के विकास से तात्पर्य खुद के लिए अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार की तलाश राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण योगदान भी हो सकता है।

भारत की विशाल आबादी के हिसाब से भारत नौजवानों का देश है और भारत सरकार के लिए इतने युवा लोगों के लिए नौकरी उपलब्ध कराना संभव भी नहीं है कि सभी युवकों के लिए समुचित नौकरी का प्रबंध या इंतजाम कर सके। ऐसे में पढ़े-लिखे नौजवानों का यह महती दायित्व बन जाता है कि वह स्वयं की क्षमता को पहचान कर मेक इन इंडिया या स्वावलंबी होने का भरसक प्रयास करें। स्वयं की क्षमता को पहचानने वाला व्यक्ति समाज में एक आदर्श बनकर उभरता है और उसकी प्रसिद्धि समाज में स्वयं हो जाती है। युवक स्वयं का रोजगार बनाकर न सिर्फ खुद की बेरोजगारी दूर करता है, बल्कि वह दूसरों के लिए भी रोजगार का साधन बन जाता है। यह राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक समीचीन तथा राष्ट्रीय विकास के लिए एक अच्छे सूचक के रूप में सामने आता है। स्वयं अपनी क्षमताओं को पहचानना एवं अपने अंदर के उद्यमी को रोजगार के लिए उपयोग में लाना मनुष्य का एक तरह का अलंकार या आभूषण ही है जो मनुष्य के लिए सुखी होने का बड़ा स्त्रोत है। वैसे भी नौकरी करके युवा एक तरह से परतंत्र, पराधीन हो जाता है और अपनी क्षमताओं का खुलकर प्रयोग नहीं कर पाता यही कारण है कि राष्ट के समग्र विकास में उसकी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।राष्ट्रीय योजना मेक इन इंडिया के अंतर्गत आव्हान किया गया है कि नौजवानों को अपनी शिक्षा,तकनीकी शिक्षा एवं स्किल का उपयोग कर भारत देश के लिए हर तरह के आवश्यक वस्तुओं का स्वयं निर्माण करें एवं दूसरे नौजवानों के लिए आदर्श स्थापित करें जिससे संपूर्ण देश स्वावलंबी बने। स्वयं की क्षमताओं को पहचानने वाला व्यक्ति स्वतंत्र ,स्वाभिमानी होकर स्वयं पर पूर्ण विश्वास करने वाला आत्मविश्वासी व्यक्ति होता है। ऐसे में भविष्य में राहों में जितनी भी मुश्किल है या कठिनाई आती है उसका वह अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने से नहीं चूकता है। अपनी क्षमताओं को पहचानने के कारण व्यक्ति अत्यंत सरल, सहज एवं आत्मविश्वासी होकर दूसरों की मदद करने से भी पीछे नहीं हटता। स्वयं का रोजगार तलाशने या अपने लिए कोई उद्यम बनाने में युवाओं में जो ज्ञान प्राप्त होता है फल स्वरूप वह युवा अत्यंत त्यागी तथा समाज के लिए सेवा भाव भी रखने वाला होता है। स्वावलंबन से दूसरों पर निर्भर होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती एवं अपने ही ज्ञान तथा क्षमता से वह उन्नति के सोपान चढ़ते जाता है, एवं राष्ट के लिए एक धरोहर की तरह होता है। खुद की क्षमता पहचान कर अपना उद्यम डालने से न सिर्फ समाज में विकास होता बल्कि देश में भी विकास के योगदान में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होता है। ऐतिहासिक तौर पर भी खुद की क्षमता पहचानने एवं अपनी उर्जा को सही दिशा में लगाने के कारण बड़े-बड़े महापुरुषों का जन्म हुआ है। जितने भी बड़े महापुरुष हुए हैं, वे पैदाइशी महापुरुष नहीं थे उन्होंने अपनी क्षमता, शक्ति एवं ज्ञान को पहचान कर उसमें समुचित एवं निरंतर परिश्रम कर एक नए मुकाम को हासिल किया था और तब ही वे महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हुए हैं। पौराणिक तौर पर प्रभु श्री राम ने वन गमन कर रावण का वध किया और एक धार्मिक इतिहास बनाया। अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे सही दिशा देने का सबसे बड़ा उदाहरण एकलव्य है जिसने जंगल में धनुर्विद्या लगातार अभ्यास करके अर्जुन की तरह बहुत बड़े धनुर्विद्या के शूरवीर बने। कोलंबस ने भी अपनी शक्ति क्षमता को पहचानते अमेरिका की खोज की और गरीब मां बाप की संतान अमेरिका के राष्टपति अब्राहम लिंकन ने अमेरिका का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। राइट ब्रदर्स ने अपने ज्ञान का समुचित विकास एवं उपयोग कर हवाई जहाज की खोज की। खुद की शक्ति एवं ऊर्जा के विकास और स्वावलंबन का सबसे बड़े उदाहरण महात्मा गांधी रहे जिन्होंने ना सिर्फ अपनी क्षमता को पहचाना बल्कि पूरे हिंदुस्तानियों को दिशा दिखा कर स्वतंत्रता का आह्वान कर स्वाधीनता प्राप्त की और महात्मा गांधी के रूप में भारत में स्थापित हुए। खुद की क्षमता एवं शक्ति को पहचानने से व्यक्ति भी महानता की श्रेणी में खड़ा होकर देश के विकास में एक बड़ा सोपान अर्जित करता है। इससे सिर्फ व्यक्ति ही महान नहीं बनता बल्कि देश को भी महान बनाने में उसका योगदान बहुत ज्यादा तथा महत्वपूर्ण होता है। मनुष्य अपनी क्षमताओं को वैसे तो आसानी से पहचान नहीं पाता है लेकिन यदि वह अपनी अंतर शक्ति, विशेषताओं को किसी भी उम्र में भी पहचान कर उसका देश के लिए समुचित उपयोग कर सकता है इसीलिए मेक इन इंडिया के लिए युवकों को अपनी क्षमताओं शक्ति तथा ऊर्जा को पहचान कर नए नए उद्यम लगाकर देश के विकास में सहयोग करना चाहिए। यह एक सकारात्मक चरित्र विकास की प्रथम पंक्ति होती है। इससे मनुष्य में और खासकर युवा वर्ग में निर्भीकता,कठोर श्रम करने की शक्ति एवं संयम जैसी विशेषताओं का प्रादुर्भाव होता है। व्यक्ति समाज एवं राष्ट की उन्नति में चार चांद लग जाते हैं। उन्नत शिक्षित परिश्रमी एवं सदाचारी युवाओं से ही कोई राष्ट महानता की श्रेणी में पहुंच जाता है।

श्री शिव के आल्हादमय स्वरूप के साक्षात् का माध्यम है सहजयोग

अहं निर्विकल्प? निराकार रूप?
विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम् ।
न चासंगतं नैव मुक्तिर्न मेयः
चिदानन्द रूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ॥
आत्माष्टकम

प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग आत्म साक्षात्कार की गाथा है। मै कौन हूँ? इस तत्व ज्ञानात्मक प्रश्न का उत्तर है। अपना भारतदेश प्राचीन काल से इस प्रश्न पर चिंतन करता चला आ रहा है। और इस तथ्य को अपने मनःपटल पर, हृदयपटल पर अंकित करता आ रहा है। भा अर्थात तेज, परमचैतन्य और रत अर्थात् लीन होने की इच्छा करने वाले, अर्थात परमचैतन्य में रत होने की, लीन होने की शुद्ध इच्छा रखने वाले को भारतीय कहा जाता है। आठवीं सदी के महान दार्शनिक आदि-शंकराचार्य जी ने, मैं कौन हूँ? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिये आत्माष्टकम् की रचना की होगी। और मैं कौन नही हूँ ये बताकर, मै सर्व प्राणिमात्र के हृदय में स्थित निर्गुण निराकार आत्म तत्व हूँ, शिवांश हूँ ये हमें बताया है। उस आत्माष्टकम् में वे कहते हैं, - मैं मन नहीं, बुद्धि नहीं, चित्त नहीं, अहंकार नहीं, मैं पंच महाभूत और पंच ज्ञानेन्द्रियां भी नहीं, तो मैं कौन हूँ? मैं आपके हृदयासन पर स्थित शिव हूँ।

सहजयोग उस शिव तत्व को पाने की- सरल विधि है, एक आनंदमय चमत्कार है। प. पू श्री माताजी कहते हैं, सहजयोग में मनुष्य अकर्म मे आ जाता है। वो कार्य करते हुए लगता है , कितनों को लगता है कि वो कर्म कर रहा है उसको याद नहीं कि वह कर्म रहा है या प्रेम कर रहा है। उसकी उपस्थिति मात्र से वातावरण सुगंधित, चैतन्यमय व प्रेममय बन जाता है ।

इस प्रकार हमें समझना चाहिए कि आत्मसाक्षात्कार क्या है? आजकल लोग बहुत जल्दी बोर हो जाते हैं अर्थात अपने आप से अपने वातावरण से ऊब जाते हैं, परंतु जिसने अपने हृदय स्थित शिव के प्रेम को पा लिया वो किसी भी परिस्थिति में आनंद ही पाता है। इस रस को जब आप प्राप्त करते हैं तो एक भोलापन आपके अंदर आ जाता है। आप महात्मा तुल्य हो जाते हैं। जिसे कोई भी कष्ट नहीं हो सकता । कोई व्यक्ति इसे मारने आ जाये, तो उसका परिवर्तन हो सकता है। कोई सताने आ जाये तो उसे सुबुद्धि आ सकती है। शिवतत्व में ऐसे गुण हैं कि सहज में ही आपके अंदर धर्म आ जायेगा, सहज में ही आपमें माधुर्य आ जायेगा, सहज में ही बालकों सी अबोधिता और परिपक्वता भी आ जायेगी।

तो आईये प. पू. श्रीमाताजी के श्रीचरणों मे नत होकर प्रार्थना करते हैं, श्रीमाताजी हमारे उत्थानमार्ग में आनेवाली बाधाओं को दूर कर हमारा शिवतत्व प्रकाशित कर दीजिए।

सोलर पैनल वेस्टः भविष्य की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती

भारत की सौर ऊर्जा क्रांति आज दुनिया के लिए एक प्रेरक उदाहरण बन चुकी है। स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ता भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विशाल सोलर पार्क, छतों पर लगे पैनल और सरकारी योजनाएं इस परिवर्तन की पहचान बन गई हैं। लेकिन इस चमकते भविष्य के पीछे एक गंभीर और अनदेखा संकट धीरे-धीरे आकार ले रहा है। यह संकट है सोलर पैनल वेस्ट की सुनामी, जो आने वाले वर्षों में पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए भारी चुनौती बन सकती है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की 2025 रिपोर्टों के अनुसार यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो हरा विकास काले कचरे में बदल सकता है।

पिछले एक दशक में भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। सौ गीगावाट से अधिक क्षमता हासिल करना और 2030 तक सैकड़ों गीगावाट का लक्ष्य तय करना राष्ट्रीय आत्मविश्वास को दर्शाता है। सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं, निजी निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने इस क्षेत्र को नई गति दी है। पीएम सूर्य घर योजना और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी पहलों ने लाखों लोगों को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। परंतु इस तेज विस्तार के साथ यह भी सच है कि पैनलों की औसत आयु केवल पच्चीस से तीस वर्ष होती है। बीते वर्षों में लगाए गए पैनल अब धीरे-धीरे अनुपयोगी हो रहे हैं। इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अध्ययन बताते हैं कि आने वाले दशकों में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी और कचरे का रूप ले लेगी।

सोलर पैनल केवल साधारण शीशा या धातु नहीं होते। इनके भीतर सिलिकॉन, एल्यूमीनियम, कॉपर और प्लास्टिक के साथ-साथ लेड, कैडमियम और क्रोमियम जैसे जहरीले तत्व भी मौजूद होते हैं। जब ये पैनल बिना वैज्ञानिक प्रक्रिया के खुले मैदानों या लैंडफिल में फेंक दिए जाते हैं, तो वर्षा जल के साथ इनमें मौजूद रसायन मिट्टी और भूजल में घुल जाते हैं। इससे खेतों की उर्वरता कम होती है और पीने का पानी दूषित होता है। कृषि-प्रधान देश भारत में इसका प्रभाव अत्यंत गंभीर हो सकता है। अनियंत्रित निपटान से माइक्रोप्लास्टिक और विषैली गैसें भी वातावरण में फैलती हैं, जो मानव स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डालती हैं।

भविष्य का परिदृश्य और भी चिंताजनक दिखाई देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2030 तक भारत में संचयी सोलर पैनल वेस्ट लगभग 6 लाख टन तक पहुंच सकता है और 2047 तक यह लगभग 1.12 करोड़ टन (11 मिलियन टन) तक पहुंच सकता है। बीबीसी और अन्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने भी इस खतरे को गंभीरता से रेखांकित किया है। यदि समय रहते रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो यह संकट पर्यावरणीय आपदा के साथ-साथ आर्थिक नुकसान का कारण भी बनेगा। अरबों रुपये मूल्य की धातुएं और संसाधन कचरे में बदल जाएंगे, जिन्हें फिर कभी वापस नहीं पाया जा सकेगा।

पर्यावरणीय प्रभाव केवल मिट्टी और पानी तक सीमित नहीं हैं। भारी धातुएं धीरे-धीरे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाती हैं और मनुष्यों तथा पशुओं के शरीर में जमा होने लगती हैं। इससे कैंसर, श्वसन रोग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े सोलर हब विशेष रूप से जोखिम में हैं। बिना प्रोसेसिंग के पड़े पैनल धीरे-धीरे कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को बढ़ाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पर्याप्त रिसाइक्लिंग संयंत्र नहीं बने, तो आने वाले दशकों में यह समस्या असहनीय स्तर पर पहुंच सकती है।

वर्तमान स्थिति इस चुनौती के अनुरूप मजबूत नहीं कही जा सकती। ई-वेस्ट नियमों में सोलर पैनलों को शामिल तो किया गया है, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी कमजोर है। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी जैसे प्रावधान कागजों तक सीमित दिखाई देते हैं। देश में सीमित संख्या में ही आधुनिक रिसाइक्लिंग प्लांट मौजूद हैं, जबकि भविष्य के लिए सैकड़ों की आवश्यकता होगी। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट की रिपोर्टों के अनुसार, तकनीकी कमी, निवेश अभाव और जागरूकता की कमी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। अधिकांश वेस्ट आज भी अनौपचारिक डंपिंग स्थलों में चला जाता है, जहां से प्रदूषण फैलता रहता है।

इसके विपरीत, यदि सर्कुलर इकोनॉमी को गंभीरता से अपनाया जाए, तो यही संकट एक बड़े अवसर में बदल सकता है। वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग से सिलिकॉन, सिल्वर और कॉपर जैसे मूल्यवान तत्व दोबारा उपयोग में लाए जा सकते हैं। इससे आयात पर निर्भरता घटेगी और घरेलू उद्योग को मजबूती मिलेगी। यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन सकता है और लाखों युवाओं को रोजगार दे सकता है। सर्कुलर मॉडल न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार करता है। दुर्भाग्यवश, पर्याप्त तैयारी न होने के कारण भारत अभी इस संभावना का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा है।

अब नीतिगत स्तर पर त्वरित और ठोस कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी को सख्ती से लागू करना होगा, ताकि कंपनियां अपने उत्पादों के जीवनचक्र की जिम्मेदारी लें। अनुसंधान और नवाचार में निवेश बढ़ाकर स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। स्थानीय निकायों और पंचायतों को प्रशिक्षण देकर उन्हें वेस्ट प्रबंधन की प्रक्रिया से जोड़ा जाना चाहिए। मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय सर्कुलर टास्कफोर्स का गठन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उन्नत तकनीक और अनुभव प्राप्त किए जा सकते हैं।

सोलर पैनल वेस्ट की यह सुनामी कोई अपरिहार्य नियति नहीं है। सही नीति, मजबूत इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयास से इसे रोका जा सकता है। 2030 तक उत्पन्न होने वाला कचरा यदि वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित किया गया, तो वह संकट नहीं, बल्कि संसाधन बन सकता है। सरकार, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों को मिलकर वेस्ट टू वेल्थ की सोच अपनानी होगी। सौर ऊर्जा का भविष्य तभी उज्ज्वल और टिकाऊ होगा, जब वह पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार होगा। अन्यथा, सूर्य की रोशनी एक दिन अंधेरे की कहानी में बदल सकती है। आज लिया गया निर्णय ही आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करेगा।

-प्रो. आरके जैन

शहरी विकास का एजेंडा, एक लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से विकास की तैयारी

केंद्रीय कैबिनेट ने शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए अर्बन चैलेंज फंड (शहरी चुनौती कोष) को जो स्वीकृति दी, उसके तहत अगले पांच वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता दी जाएगी।

निःसंदेह शहरों के कायाकल्प की यह एक महत्वाकांक्षी योजना है और आशा की जाती है कि इस योजना का हश्र स्मार्ट सिटी योजना की तरह नहीं होगा। कैबिनेट के फैसले से यह लगता भी है कि स्मार्ट सिटी योजना के अपेक्षित परिणाम न मिलने से सीख ली गई है और इसीलिए यह प्रविधान किया गया है कि केंद्र सरकार शहरों की दशा सुधारने वाली परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा तभी वहन करेगी, जब उसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया जाए।

शेष 25 प्रतिशत राशि का प्रबंध राज्य सरकारों या फिर संबंधित शहरों के स्थानीय निकायों को करना होगा। राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे शहरों के स्थानीय निकायों के साथ मिलकर ऐसा करने में समर्थ हों। चूंकि यह योजना इस वर्ष के बजट के उस प्रविधान के अनुरूप है, जिसके तहत शहरों को वृद्धि के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया था, इसलिए यह कहा जा सकता है कि मोदी सरकार शहरों की दशा सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार को उम्मीद है कि शहरी चुनौती कोष से अगले पांच वर्षों में शहरों में चार लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शुरू हो सकते हैं। यदि ऐसा हो सके तो इससे बेहतर और कुछ नहीं, क्योंकि हमारे शहर नागरिक सुविधाओं के अभाव से जूझने के साथ जर्जर बुनियादी ढांचे का सामना कर रहे हैं। वे अनियोजित विकास का पर्याय भी बन रहे हैं।

इसी कारण शहरों के बुनियादी ढांचे को संवारने अथवा नागरिक सुविधाओं को ठीक करने वाली कोई भी परियोजना कुछ ही वर्षों में अपर्याप्त अथवा समस्याग्रस्त नजर आने लगती है। इस विषम स्थिति से तभी बचा जा सकता है, जब शहरों के आधारभूत ढांचे का विकास दीर्घकालिक चुनौतियों, पर्यावरण हितों और आबादी के लगातार बढ़ते दबाव को ध्यान में रखकर किया जाए। जब ऐसा होगा, तभी हमारे शहर नगरीय जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ आर्थिक विकास के केंद्र बन पाएंगे।

यदि भारत को सचमुच विकसित देश बनना है तो उसे अपने छोटे-बड़े शहरों को संवारना ही होगा, क्योंकि एक तो आने वाले समय में शहरों में रहने वाली आबादी तेजी से बढ़ेगी और दूसरे यह किसी से छिपा नहीं कि आज के युग में शहर आर्थिक प्रगति के इंजन हैं। यह अच्छा है कि केंद्र सरकार दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के साथ एक लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले औद्योगिक शहरों को भी अपनी नई योजना के दायरे में लाना चाहती है, लेकिन बात तब बनेगी जब राज्य भी अपने शहरों की सूरत संवारने की ललक दिखाएंगे।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

कांग्रेस पर भारी पड़ता राहुल का रवैया, बयानों में तर्क और तथ्य का अभाव

संसद के बजट सत्र में जब राष्टपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो राहुल गांधी ने 2020 में गलवन में चीनी सेना के साथ हुई खूनी झड़प के बहाने मोदी सरकार को घेरना आवश्यक समझा। समझना कठिन रहा कि राष्टपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के बजाय उन्होंने चीन के साथ हुए संघर्ष और तनाव का मुद्दा क्यों उठाया?

उनकी मानें तो उन्होंने इस विषय को इसलिए उठाया, क्योंकि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस शासन की विफलताओं को रेखांकित किया था और आतंकवाद एवं माओवाद से निपटने में उसकी कमजोर इच्छाशक्ति का उल्लेख किया था। इसे राहुल ने कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल समझा और उसका जवाब देने के लिए वे गलवन संघर्ष के समय जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के एक पत्रिका में छपे अंश पढ़ने की कोशिश करने लगे।

जब लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी तो वे जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की कथित प्रति संसद परिसर में लहराने लगे। राहुल के हिसाब से इस पुस्तक के जो अंश एक पत्रिका में छपे हैं, उनके अनुसार गलवन की घटना के बाद जब चीनी सेना के टैंक भारत की ओर बढ़ रहे थे तो प्रधानमंत्री की ओर से उन्हें स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए।

पता नहीं पत्रिका ने नरवणे की पुस्तक के अंशों की ऐसी व्याख्या कैसे की, क्योंकि वे यही बताते हैं कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा था कि जो उचित समझें, वह करें। आखिर इसमें किसी तरह की अस्पष्टता की गुंजाइश कहां रह जाती है? ध्यान रहे कि खुद जनरल नरवणे कई बार कह चुके हैं कि भारतीय सेनाओं ने चीनी सेनाओं को सबक सिखाया।

जहां तक गलवन संघर्ष को लेकर जनरल नरवणे के पुस्तक लिखने की बात है, यह अस्वाभाविक सा है कि कोई सेनाध्यक्ष हालिया सैन्य संघर्ष पर अपने संस्मरण लिखे। इसी कारण रक्षा मंत्रालय ने अभी तक उनकी पुस्तक के प्रकाशन की अनुमति नहीं दी है। इस पुस्तक में क्या लिखा है, इस पर कुछ कहना कठिन है। इस अप्रकाशित पुस्तक के अंश सार्वजनिक कैसे हुए, इसकी दिल्ली पुलिस जांच कर रही है, क्योंकि प्रकाशक का कहना है कि उसकी ओर से जनरल नरवणे की पुस्तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है।

प्रश्न यह है कि फिर राहुल कौन सी पुस्तक लहराते घूम रहे थे? वे जो भी पुस्तक लिए घूम रहे हों, इसमें संदेह नहीं कि उनकी ओर से यह साबित करने की कोशिश हो रही कि मोदी सरकार सीमाओं की रक्षा और खासकर चीन से निपटने के मामले में कमजोर है। यह एक विडंबना ही है कि इसे प्रचारित करने का काम उस कांग्रेस के नेता कर रहे हैं, जिसका सीमाओं की रक्षा के मामले में रिकार्ड बहुत कमजोर रहा है।

यह तथ्य है कि कांग्रेस शासनकाल में जहां कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा किया, वहीं चीन ने भी भारत की सैकड़ों वर्ग किमी भूमि हड़पी। यह ठीक है कि तब भारत आज जितना शक्तिशाली नहीं था, पर सब जानते हैं कि कांग्रेस की सरकारों ने बाद में भी पाकिस्तान और चीन के प्रति रक्षात्मक रवैया ही रखा। यह एक स्थापित सत्य है कि पाकिस्तान और चीन से सीमा विवाद कांग्रेस शासन की ही देन हैं।

कांग्रेस सरकारों के बजाय मोदी शासन का रिकार्ड देखें तो साफ पता चलता है कि उसने पाकिस्तान से भी कड़ाई से निपटा और चीन से भी। पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर का असर किसी से छिपा नहीं। इसी तरह सब जानते हैं कि डोकलाम में भारतीय सेना ने चीनी सेना को पीछे हटने पर बाध्य किया और गलवन में संघर्ष के बाद भारत के अडिग रवैये से चीन वार्ता की मेज पर आने के लिए विवश हुआ।

यह प्रश्न अपनी जगह है कि आखिर चीन से सीमा विवाद का समाधान कब होगा, लेकिन इसके आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि मोदी सरकार भारत की सीमाओं की रक्षा करने में कमजोर है, लेकिन राहुल गांधी लगातार यही साबित करने पर तुले हैं। कभी वे कहते हैं कि मोदी के रहते चीन ने हमारी जमीन कब्जा ली है और कभी कहते हैं कि प्रधानमंत्री चीन से डरते हैं। चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये के मामले में राहुल गांधी को यह भूलना नहीं चाहिए कि उसका यह रवैया कांग्रेस के शासनकाल में भी था और तब उसका सामना इतनी दृढ़ता से नहीं किया जा सका।

राहुल गांधी किस तरह खीझे और सत्तापक्ष से चिढ़े रहते हैं, इसका पता इससे चलता है कि संसद परिसर में उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार दोस्त कह दिया। इसके अलावा उन्होंने उन पर यह तंज भी कसा कि अंततः उन्हें कांग्रेस में ही आना होगा। इसी तरह सदन में पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल से वे यह कह बैठे कि आप हमारी पार्टी के पूर्व सदस्य हैं और मुझे पता है कि आपका दिल हमारी तरफ है। आखिर इसे उनकी अपरिपक्वता न कहा जाए तो क्या कहा जाए?

जब संसद में बजट पर चर्चा शुरू हुई, तब भी राहुल गांधी अकारण गुस्से में दिखे। उन्होंने अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते पर बिना किसी प्रमाण यहां तक कह दिया कि प्रधानमंत्री ने देश को बेचने का काम किया है। उनकी भाव भंगिमा किसी उग्र और हताश युवराज जैसी दिखती है। वे सत्तापक्ष के प्रति हिकारत अधिक दिखाते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि वे सदन में उलटा-सीधा बोलकर चलते बनते हैं। यह उनके अहंकार को ही प्रदर्शित करता है।

उनका उग्र स्वभाव न तो कांग्रेस को कोई सही संदेश देता है और न ही देश की जनता को। वे संसद में बोल रहे हों या किसी रैली में या फिर पत्रकार सम्मेलन में, उनकी उग्रता के साथ उनकी कुंठा भी झलकती है। वे एक कुंठित नेता के रूप में उभर रहे हैं। उनके तीखे-उग्र बयान चर्चा में तो आ जाते हैं, लेकिन वे किसी विमर्श का कारण नहीं बनते, क्योंकि उनमें तर्कों और तथ्यों का अभाव होता है।

वैसे तो विपक्ष में रहते हुए हर दल सरकार पर आरोप लगाता है, लेकिन यदि कोई दल ऐसा करते समय तर्कों और तथ्यों की तनिक भी परवाह नहीं करता तो फिर वह अपना असर खो देता है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की आज यही स्थिति है। वह प्रभावी विपक्ष के रूप में नजर नहीं आती।

-धनंजय राजौरा

साहसी व दृढ़ प्रशासक नहीं, जो व्यवस्था को चुनौती दे सकें

क्या दुनिया में किसी भी खेल का कोई ऐसा बड़ा आयोजन है, जिसमें कोई विवाद न हो? आधुनिक दौर में ऐसा होना लगभग असंभव है, जहां दर्शकों की संख्या और फॉलोअर्स की अहमियत किसी कहानी की सच्चाई से ज्यादा हो गई है। जब भी कोई विश्वस्तरीय आयोजन ऐसे देश में होता है, जो तथाकथित विकसित देशों के साथ अच्छे संबंधों में नहीं होता तो विकसित देशों का मीडिया हर बात पर सवाल उठाने लगता है।

उन्हें आयोजन की मेजबानी का अधिकार कैसे मिला, स्टेडियम तैयार नहीं हैं, मीडिया के लिए सुविधाएं अच्छी नहीं हैं, मौसम खिलाड़ियों के अनुकूल नहीं होगा, खाना, यात्रा, खिलाड़ियों का गांव हर चीज की आलोचना की जाती है। ऐसा लगता है जैसे सिर्फ वही देश विश्व आयोजनों की मेजबानी कर सकते हैं और सफलतापूर्वक कर सकते हैं।

क्या कभी किसी ने यह सवाल उठाया है कि टेनिस और गोल्फ में सिर्फ चार-चार मेजर ही क्यों होते हैं? गोल्फ में तो चार में से तीन मेजर अमेरिका में ही होते हैं। पहला मेजर अप्रैल की शुरुआत में और आखिरी अगस्त में होता है। यानी सभी गोल्फ मेजर विकसित देशों की गर्मियों के मौसम में ही खेले जाते हैं। चौथे मेजर के बाद और आगस्टा मास्टर्स से पहले के सात महीनों में कम से कम दो या तीन मेजर क्यों नहीं हो सकते? दक्षिण अमेरिका, खाड़ी देश, सुदूर पूर्व या भारतीय उपमहाद्वीप में भी एक मेजर हो सकता है। इसी तरह, यूएस ओपन (सितंबर की शुरुआत) और ऑस्ट्रेलियन ओपन (जनवरी के तीसरे सप्ताह) के बीच टेनिस का एक मेजर क्यों नहीं होता?

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेजः क्योटो प्रोटोकॉल

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है।

नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3त्न अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है।

कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423ङ्क425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50त्न अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरुआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5एष्ट तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं। वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45त्न कमी, 50त्न बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त करना और 2070 तक नेट-जीरो हासिल करना और वर्ष 2025 तक भारत 50त्न से अधिक स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त कर चुका है, जो उसकी प्रगति को दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन इसकी सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने दुनिया को सामूहिक पर्यावरणीय कार्रवाई की दिशा दिखाई, प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत को व्यवहार में लागू किया और भविष्य की जलवायु नीतियों की मजबूत नींव रखी; सरल शब्दों में कहें तो आज जब दुनिया नेट-जीरो की बात करती है, तो उसकी जड़ें कहीं न कहीं क्योटो की उसी ऐतिहासिक पहल में निहित हैं। अंत में यही कहूंगा कि आज के संदर्भ में क्योटो प्रोटोकॉल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने पहली बार विकसित देशों पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के कानूनी लक्ष्य तय किए।हालांकि, अब वैश्विक जलवायु नीति का केंद्र पेरिस समझौता बन चुका है, फिर भी क्योटो प्रोटोकॉल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी।इस समझौते के कारण कार्बन बाजार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) जैसे तंत्र विकसित हुए, जिनसे विकासशील देशों को भी लाभ मिला।आज जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच यह समझौता दुनिया को उत्सर्जन नियंत्रण की जिम्मेदारी याद दिलाता है। संक्षेप में, क्योटो प्रोटोकॉल आधुनिक वैश्विक जलवायु नीतियों का आधार माना जाता है।

-सुनील कुमार महला

शिव और शक्ति के मिलन के साक्षी बने नगरवासी

शिवालयों में गूंजे महादेव जयकारे, शिव की बारात में झूमकर नाचे नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ब्रह्ममुहूर्त से शुरू हुआ शिवभक्ति का क्रम देर रात तक चलता रहा और नगर में दिनभर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। रविवार को नगरवासियों ने महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया। नगरवासियों ने नग के शिवालयों के साथ ही जिले के अन्य शिवालयों में पहुंचकर महादेव का आशीर्वाद लिया।

मंदिरों सवेरा होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। जिले भर में सारा वातावरण शिवमय हो गया। भक्तों के उत्साह को देखकर ऐसा लग रहा था मानो सारे के सारे ही भोले की शादी में बाराती हों। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कहीं शिव मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया गया था तो कहीं देर रात तक धार्मिक आयोजनों की गूंज सुनाई दी। यही नहीं कई स्थानों पर मेले का भी आयोजन किया गया और शिव-शक्ति के मिलन के त्यौहार शिवरात्रि को नगर में शिव भक्तों ने बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर नगर के सभी प्रमुख शिवालयों पर भक्तों का तांता देर शाम तक लगा रहा। शिवालयों में सुबह से ही अभिषेक, महाआरती आदि धार्मिक आयोजन शुरू हो गए थे। भूतभावन भगवान भोलनाथ को श्रद्धालुओं ने दूध से अभिषेक किया तो कहीं पंच मेवों के साथ भंग धतुरा चढ़ाया। शिवरात्रि के अवसर पर नगर के सभी शिवालयों में विभिन्न आयोजन किए गए। कही फरियाली खिचडी का भंडारा किया गया तो कही सुखे मेवे के प्रसाद वितरण किए गए और सुबह से शुरू हुआ ये शिवभक्ति का यह क्रम देर रात तक चलता रहा। नगर के ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, मंगलनाथ महादेव मंदिर, नित्यानंद आश्रम, लालपुरा स्थित महादेव मंदिर, वाटर वार्क्स के जय जलेश्वर महादेव, पांडूखोरा स्थित शिव मंदिर, नैनावद स्थित श्री महाकाल मंदिर, सुनेरा स्थित श्री शिव मंदिर, कुम्हारिया खास स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर सहित सभी शिवालयो में भक्तों की भीड़ बड़ी संख्या में देखने को मिली। स्थिति ये थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी और पुलिसकमियों को यहां व्यवस्था के लिए तैनात करना पड़ा और सुबह से शाम तक श्रद्धालू बसों के माध्यम से अपनी दर्शन की लालसा को पूरा करते रहे। वहीं सुनेरा में भी महादेव मंदिर में भक्तों ने विशेष पूजा पाठ कर अभिषेक किया।

जगह-जगह हुआ भंडारे का आयोजन- शिवरात्रि पर्व पर शिवभक्तों द्वारा जगह-जगह पंडाल लगाकर दर्शन करने वाले भक्तों ने भंडारे का भी आनंद लिया। समिति सदस्यों द्वारा भक्तों को खिचड़ी व फरियाली प्रसादी का वितरण कर लाभ लिया गया। जिला मुख्यालय से करीब 9 किमी दूर ग्राम नैनावद स्थित महाकाल मंदिर में भी खिंचड़ी का भंडारा आयोजन किया गया। वहीं दुध शरबत का भी वितरण ग्राम नैनावद की समिति द्वारा किया गया, जिसका हजारों श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया। इसके अलावा भीमघाट मंदिर, महादेव घाट सहित सभी मंदिरों में भी भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया।

महादेव बने बच्चे रहे आकर्षण का केंद्र- यूं तो पूरे जिले में महाशिवरात्रि पर्व उत्साह के साथ मनाया गया, लेकिन शहर के लालपुरा स्थित महादेव मंदिर में हुआ शिव विवाह पूरे शहर में चर्चा का विषय बना। यहां मंदिर समिति और श्रद्धालुओं ने बच्चों को शिव और पार्वती बनाया और धूमधाम से विवाह कराया। इसके अलावा कई बच्चों को उनके माता-पिता ने महादेव के रूप में सजाकर मंदिरों मे महादेव का आशीर्वाद दिलवाया।

सुबह-शाम ठिठुरन, दिन में छूटने लगे पसीने, पंखे-कूलरों के सहारे गुजरने लगी रातें, तापमान 31 पार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। फरवरी माह के जैसे-जैसे दिन गुजर रहे हैं मौसम भी यू टर्न लेने लगा है। अब तक नगरवासियों को गर्म कपड़े और कंबल रास आ रहे थे, लेकिन अब दिन में लोगों को पंखे और कूलर राहत देने लगे हैं। हालाकि सुबह और शाम को जरूर मौसम सर्द बना हुआ है। मौसम परिवर्तन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिन का तापमान 31 के पार हो चुका है। जबकि रात का तापमान फिलहाल 12 से 13 डिग्री पर ही टिका हुआ है।

इसके पहले उत्तर-पूर्वी हवाओं का दौर जारी था जिससे नगर का वातावरण सर्द बना हुआ था। रात में ही नही बल्कि दिन में भी लोगों को सर्दी के कारण ठिठुरना पड़ रहा था। इसके अलावा दिन और रात कोहरा छाने से नगरवासी गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे थे। लेकिन फरवरी माह शुरू होते ही धीरे-धीरे मौसम बदलने लगा है और तापमान बढ़ने लगा। रविवार को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री व न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं हवाओं की दिशा भी पश्चिमी रही जो 12 किमी की रफ्तार से बहती रही। जिससे लोगों को अब दिन में धूप चुभने लगी है तो हवाएं राहत देने लगी हैं। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमानों में लगातार वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे सुबह और शाम की ठंड से भी राहत मिल जाएगी, जबकि दिन के समय गर्मी का असर और तेज होगा।

पंखे-कूलर शुरू, गर्म कपड़ों से परहेज- मौसम परिवर्तन होते ही नगरवासियों की दिनचर्या भी बदलने लगी है। पहले लोगों को गर्म कपड़े और धूप राहत दे रही थी। लेकिन अब दिन में लोगों को पंखे व कूलरों से राहत मिलने लगी है और वे गर्म कपड़ों से परहेज करने लगे हैं। मौसम विशेषज्ञ की माने तो आगामी सप्ताह मे तापमान 35 डिग्री से अधिक पहुंच सकता है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना से उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं को लागू किया गया है। पशु चिकित्सा सेवायें विभाग द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश के मूल निवासी सभी वर्ग के पशुपालकों को उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ डीएस बघेल ने बताया कि डेयरी स्थापित करने के लिए हितग्राही के पास कम से कम 3.5 एकड़ स्वयं की भूमि होना आवश्यक है। एक हितग्राही अधिकतम आठ इकाईयाँ इस योजना से स्थापित कर सकता है। एक इकाई में गौवंशीय अथवा भैंस वंशीय 25 दुधारू पशु दिए जाते हैं। एक इकाई में सभी पशुओं का एक ही नस्ल का होना आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए पशुपालन विभाग की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एमपी डीएएच डॉट जीओभी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। संयुक्त संचालक ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में एक हितग्राही एक आवेदन पर एक से अधिक डेयरी इकाईयाँ स्थापित कर सकता है। आवेदक को किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना में हितग्राही के रूप में चयन होने पर पशुपालक को निर्धारित शासकीय प्रशिक्षण संस्थान अथवा महाविद्यालय में पशुपालन का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। योजना की प्रत्येक इकाई के लिए देशी गाय की नस्ल में 36 लाख रुपए तथा शंकर गाय अथवा भैंस के लिए 42 लाख रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। योजना में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को परियोजना लागत की 33 प्रतिशत राशि का अनुदान लाभ दिया जाएगा। अन्य श्रेणी के हितग्राहियों को 25 प्रतिशत अनुदान लाभ मिलेगा।

विभिन्न विद्यालयों के बाद गुरु वाटिका केला देवी मंदिर में भी देवास साधक परिवार द्वारा मातृ पितृ पूजन का आयोजन उत्साह पूर्वक भारी संख्या के साथ किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री योग वेदांत सेवा समिति के तत्वावधान में मातृ पितृ पूजन का आयोजन देवास में विभिन्न विद्यालयों में तथा अंत में धूमधाम से बड़ी संख्या में उपस्थित साधक एवं गैर साधक परिवार द्वारा केला देवी मन्दिर प्रांगण में व्यवस्थित रूप से मनाया गया। सर्वप्रथम श्री आशा रामायण का पाठ किया गया तथा उसके पश्चात मातृ पितृ पूजन का आयोजन किया गया।

प्रारंभ में गुरुदेव परम पूज्य संत आशाराम बापू का पूजन करके श्री आशा रामायण पाठ संगीत के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी अभिभावको को एक लाइन में बिठाया गया और उनके सामने उनके बच्चों को बिठाकर आश्रम की विधि अनुसार बीडी जामनेरा द्वारा पूजन करवाया गया। मातृ पितृ पूजन में बच्चों ने माता-पिता को तिलक लगाया ,मिठाई खिलाई ,आरती उतारी एवं परिक्रमा लगाई। इसी दौरान बच्चों ने जब माता-पिता को प्रणाम किया और माता-पिता से लिपट गए और माता-पिता ने खूब प्रेम से उन्हें लाड़ किया। कार्यक्रम के पश्चात सदगुरुदेव आशाराम बापू की आरती की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मन्नूलाल गर्ग के द्वारा आरती की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश वर्मा एडवोकेट ने की एवं आभार युवा सेवा संघ प्रभारी मधुसूदन अग्रवाल ने माना।

पूरे भारतवर्ष में एवं विदेशों में भी 14 फरवरी को मातृ पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया जाता है एवं बहुत ही धूमधाम से उत्साह पूर्वक अधिकांश नगरों में आयोजन किया जाता है। संकीर्तन यात्राएं निकाली जाती है। इंदौर में भी दशहरा मैदान पर प्रदेशस्तरीय मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम हुआ ,उसमें बड़ी संख्या से भाई बहन समिति द्वारा बस की व्यवस्था की गई बस । इंदौर में गुरुदेव के कृपा पात्र शिष्य रामाभाई के सानिध्य में पूजन कार्यक्रम हुआ। रामाभाई ने बताया कि 14 फरवरी को पाश्चात्य संस्कृति के विद्यालयों में पढ़कर अथवा अन्य माध्यमों से भ्रमित होकर भारतीय संस्कृति के विपरीत वैलेंटाइन डे जैसी बुराइयां अपनाते हैं और इस तरह अपना जीवन तो बर्बाद करते ही हैं अपने माता-पिता को भी दुःख पहुंचाते हैं। इस तकलीफ के कारण कई अभिभावक वृद्धाश्रम की शरण ले लेते हैं। बड़ी ही चिंताजनक बात है। इसी से द्रवित होकर गुरुदेव ने भ्रमित बच्चों को मातृ पितृ पूजन दिवस की ओर मोड़ने का यह बहुत ही परोपकारी पुण्यकार्य कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की।

पानी की मोटर चालू करते हुए लगा करंट, किसान की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम रेहली में रविवार सुबह खेत पर करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच हुई, जब किसान अपने खेत में पानी की मोटर चालू करने गया था। जानकारी के अनुसार किसान जब मोटर चालू करने पहुंचा तो खेत के पास लगी डीपी (वितरण ट्रांसफार्मर) में फाल्ट हो गया था। जैसे ही किसान ने वहां लगे तार को छूने का प्रयास किया वह तेज करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन और ग्रामीण तुरंत उसे प्राथमिक उपचार के लिए बेरछा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए उसे शाजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने किसान को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया। अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम रेहली निवासी नाथूलाल गुर्जर (60) के रूप में हुई है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

निर्मल पब्लिक स्कूल छिंदवाड़ा में एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा का हुआ आयोजन

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन निर्मल पब्लिक स्कूल छिंदवाड़ा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रैक्टिकल परीक्षा 14 फरवरी 2026 को एवं लिखित परीक्षा आज 15 फरवरी 2026 को आयोजित की गई।

एनसीसी मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल जे.पी. सिंह तथा एनसीसी जबलपुर ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रीतेश बहल के निर्देशानुसार और लाइव सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में 24 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी छिंदवाड़ा के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल थॉमस ओमेन के मार्गदर्शन में ग्रुप मुख्यालय जबलपुर द्वारा परीक्षा आयोजित की गई।

परीक्षा में पीठासीन अधिकारी कर्नल दिनेश कुमार जायसवाल, कमांडिंग ऑफिसर-2 एम.पी. बटालियन एनसीसी जबलपुर एवं सहायक पीठासीन अधिकारी कर्नल ए. के. शर्मा, कमांडिंग ऑफिसर-7 एम.पी. बटालियन एनसीसी शहडोल की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा।

इस परीक्षा में 24 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी के अंतर्गत जिला छिंदवाड़ा, जिला पांढुर्णा एवं जिला सिवनी के सीनियर डिवीजन कॉलेजों के कुल 165 एनसीसी कैडेट उपस्थित थे। परीक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों एवं लाइव स्क्रीनिंग के माध्यम से पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई।

इस अवसर पर निर्मल पब्लिक स्कूल के संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य डॉ.वाय.ए सिंह सिसोदिया उपस्थित थे जिन्होंने सहयोग प्रदान किया। परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सूबेदार श्री गौतम खजुरिया, मेजर श्री सिंपल पाटिल, कैप्टन श्री अरविंद धुर्वे, लेफ्टिनेंट श्री शेखर ब्रह्ममे, लेफ्टिनेंट श्री रघुवीर उइके, लेफ्टिनेंट श्री शैलेश झलके, लेफ्टिनेंट श्री वसीम, लेफ्टिनेंट श्री जितेंद्र रघुवंशी, सेकंड ऑफिसर श्री मुकेश कुरमेती, लेफ्टिनेंट मोहम्मद आबिद, लेफ्टिनेंट श्री पवन बाशनिक, श्री जैनिस तपनिया, बीएचएम श्री निर्मल गुरुंग, पीआई श्री सुभाष चंद्र सिंह, पीआई श्री अशोक कुमार, पीआई श्री दीनबहादुर, पीआई श्री गुलनेल, पीआई श्री हरमीत सिंह, हेड क्लर्क श्री शिवकुमार डेहरिया, श्री महेशी इनवाती, श्री विष्णु प्रसाद उइके, श्री विशाल धुर्वे, श्री मोहन सिंह एवं श्री रवि चरपे सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टर ने मिलेट फूड फेस्टिवल की स्टॉलों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मंडला/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल के अंतिम दिन कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने स्थानीय पुलिस ग्राउंड पहुंचकर विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से मोटे अनाज (श्रीअन्न) से तैयार व्यंजनों की स्टॉलों पर जाकर वहां की व्यवस्थाओं, उत्पादों की गुणवत्ता और प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कोदो, कुटकी, बाजरा और अन्य मिलेट्स से बने पारंपरिक एवं आधुनिक व्यंजनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्टॉल संचालकों से बातचीत करते हुए पूछा कि मिलेट्स से तैयार उत्पादों की मांग कैसी है और लोगों की प्रतिक्रिया कैसी मिल रही है। स्टॉल संचालकों ने बताया कि नागरिकों में श्रीअन्न के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोग इन व्यंजनों का स्वाद ले रहे हैं।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का बेहतर अवसर देते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिलेट्स आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, विपणन और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि स्थानीय किसानों और समूहों की आय में वृद्धि हो सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी पहलुओं का भी जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिलेट्स पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें दैनिक आहार में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने गाडरवारा तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश

नरसिहंपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने रविवार को गाडरवारा तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होंने महाशिवरात्रि के अवसर पर गाडरवारा स्थित डमरूघाटी में भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने ब्लैक स्पॉट स्थलों, नवीन तहसील भवन निर्माण, मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य और शहीद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा की प्रस्तावित प्रतिमा स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने डमरूघाटी गाडरवारा में पूजा- अर्चना की- महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डमरूघाटी पहुंचकर भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा जिले की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने जिलेवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं।

चिन्हित ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण, सुरक्षा उपायों के दिए निर्देश- कलेक्टर श्रीमती सिंह ने गाडरवारा तहसील के चीचली रोड स्थित दिघोरी तिगड्डा, कामती चौराहा, पिठेहरा एवं रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों का निरीक्षण किया। दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर तत्काल प्रभाव से सांकेतिक एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए, ताकि वाहन चालकों को पूर्व सूचना मिल सके और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। कामती चौराहा पर सड़क की फुटपाथ कटिंग एवं अंधा मोड़ पाए जाने पर कलेक्टर ने समतलीकरण एवं आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र कराए जाने के निर्देश दिए।

नवीन तहसील भवन निर्माण कार्य का अवलोकन- कलेक्टर ने गाडरवारा में लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन तहसील भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के नक्शे का अवलोकन कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए तथा गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया।

केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों को मिला संबल- सांसद

सिवनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार आत्मा योजना अंतर्गत शनिवार 14 फरवरी को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड सिवनी में कृषि विज्ञान मेला का आयोजन हुआ। मेले में जिलेभर से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक, वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित कर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस पूरे वर्ष किसानों की आय बढ़ाने, खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने तथा नई तकनीकों को खेत तक पहुंचाने पर विशेष फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया जा रहा है और प्रदेश में 55 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित हो रही है, जिसे आने वाले वर्षों में और बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने आधुनिक कृषि को समय की मांग बताते हुए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों, उन्नत बीजों, ड्रोन आधारित छिड़काव, मृदा परीक्षण और वैज्ञानिक खेती के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि सहित केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों को सीधा आर्थिक संबल मिल रहा है, जिससे खेती में निवेश और आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें और नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आय दोगुनी करने की दिशा में आगे बढ़ें।

विधायक दिनेश राय ने अपने उद्बोधन में किसानों से संवादात्मक शैली में बात करते हुए कहा कि अब समय परंपरागत खेती से आगे बढ़कर ज्ञान आधारित खेती का है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी भूमि की उर्वरता, जल धारण क्षमता, जल स्रोत और बाजार की मांग का अध्ययन कर फसल चयन करें, ताकि कम लागत में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने प्राकृतिक खेती को भविष्य की खेती बताते हुए कहा कि इससे मिट्टी की सेहत सुधरेगी, उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने समन्वित खेती मॉडल पर विशेष जोर देते हुए कहा कि फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, बागवानी, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसान जोखिम कम कर सकते हैं और सालभर आय सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने सौर ऊर्जा आधारित पंप और कृषि उपकरणों को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि इससे बिजली खर्च कम होगा और किसान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को गांव स्तर तक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। विधायक कमल मर्सकोले ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य खेती को मजबूरी नहीं, बल्कि लाभ का व्यवसाय बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में कृषि लागत कम करने और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। खाद और बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वितरण प्रणाली को मजबूत किया गया है, जिससे किसानों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए नहर, लिफ्ट सिंचाई, तालाब निर्माण और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है, जिससे खेतों तक पानी पहुंचे और उत्पादन बढ़े। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का लाभ लेने में सक्रिय रहें और आधुनिक कृषि यंत्रों व नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाएं। पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरित क्रांति ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने मिट्टी, पानी और मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि आज कई बीमारियों का एक बड़ा कारण भोजन की गुणवत्ता में गिरावट है, इसलिए हमें फिर से प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर लौटना होगा।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल खेती का तरीका नहीं, बल्कि जीवनशैली का परिवर्तन है, जो मिट्टी को बचाएगी, जल स्रोतों को सुरक्षित रखेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ भविष्य देगी। उन्होंने बताया कि सरकार भी इस दिशा में किसानों को प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और जैविक उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही है। उन्होंने किसानों और आम नागरिकों से अपील की कि वे जैविक उत्पादों को अपनाएं और प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन का रूप दें।

आष्टा क्षेत्र से मां वैष्णो देवी के लिए पदयात्रा प्रारंभ

गोदना गांव में पत्रकार अमर मेवाड़ा के नेतृत्व में हुआ स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया घर परिवार में खुशी का माहौल है और माता रानी को ही अपना आदर्श मानते हैं इसलिए आष्टा क्षेत्र से हजारों मील दूर पद यात्रा करते हुए आष्टा क्षेत्र के ग्राम अरनिया राम के निवासी श्री योगेंद्र सिंह जी ठाकुर एवं उनके बड़े भाई इंदर सिंह जी ठाकुर पुत्र राजवर्धन सिंह सत्यजीत ठाकुर मय परिवार के पदयात्रा लेकर वैष्णो देवी की ओर निकल पड़े हैं।

जहां सलसलाई सारंगपुर के बीच स्थित गोदाना गांव में आनंद सिंह कुशवाहा के प्रतिष्ठान पर पत्रकार अमर सिंह मेवाडा के नेतृत्व में माता रानी की चुनरी ओढ़ कर सभी पद यात्रियों का स्वागत किया इस अवसर पर ग्राम गिराना के श्री गुलाब सिंह जी मेवाड़ा बोरवेल एजेंसी भाजपा मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ा ग्राम गोदना गांव के आनंद सिंह जी कुशवाहा हुकम सिंह राजपूत अर्जुन सिंह भिलाला अभिराज सिंह जी सहित अनेक ग्रामीण जन मौजूद थे यात्रा संयोजक योगेंद्र सिंह जी ठाकुर ने बताया कि ऐसी कोई मानता नहीं है लेकिन हम परिवार के लोग मां वैष्णो देवी को आदर्श मानते हैं इसीलिए हम यहां पदयात्रा कर रहे हैं हमारी यात्रा लगातार करीब 40 से 45 दिन की रहेगी आज यात्रा का दूसरा दिन है यात्रा में मेरे भैया भाभी मेरी धर्मपत्नी मेरे पुत्र एवं भतीजा शामिल है आप सभी ने स्वागत किया इसलिए आप सभी को बहुत-बहुत साधुवाद धन्यवाद मां वैष्णो देवी सदैव आपकी रक्षा करें हम जब पदयात्रा करते हुए वैष्णो देवी जाएंगे तो किसानो की उन्नति के लिए क्षेत्र की उन्नति के लिए सुख संपत्ति के लिए कामना करेंगे।

खाचरोद में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। महाकाल की नगरी उज्जैन जिले के खाचरोद नगर में नीलकंठ महादेव मंदिर खाचरोद से भव्य शाही सवारी निकाली गई जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और धर्म लाभ अर्जित किया ढोल-नगाड़ों,भजन-कीर्तन और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। शाही सवारी नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान शिव का स्वागत किया जगह-जगह भक्तों के लिए प्रसादी और जलपान की व्यवस्था भी की गई शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला श्रद्धालु भगवान नीलकंठ महादेव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते नजर आए महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया जिसमें खाचरोद के पपत्रकार गण उपस्थित रहे वरिष्ठ पत्रकार चंद्रभानसिंह देवड़ा आशीष सोनी मुरलीदास बैरागी प्रेस कॉन्फ्रेंस अनमोल पवार प्रियांशी स्टूडियो फोटोग्राफर मन्नू पवार उपस्थित रहे इस अवसर पर सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।

जैविक हाट में बड़ी संख्या में पहुंचे खरीदार, पसंद आने लगे जैविक उत्पाद

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक उत्पादों के जागरूकता बढाने तथा जैविक कृषि कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सेतु का निर्माण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी, जबलपुर में प्रत्येक रविवार को आयोजित किये जा रहे जैविक हाट में इस रविवार को भी बड़ी संख्या में खरीदार पहुँचे और फल-फूल, साग-सब्जी सहित जैविक उत्पादों की जमकर खरीदारी की। हर रविवार को जैविक हाट पहुंचना अब कईयों की आदत में शामिल गया है। रविवार को जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों के लगभग 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय का दूध, बिलौना घी, सब्जियां, पिंक मूली, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेल सहित विभिन्न जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया गया। जैविक हाट में प्रेमधारा गिर गौशाला के संचालक और युवा तन्मय दास के जैविक खाद, बिनौला दूध, दही, मठा और मुनगा पाउडर, श्री के पी सिंह के रेड डायमंड प्रजाति के अमरूद, एप्पल बेर और स्ट्रॉबेरी, ठाकुर विनय सिंह के मिर्च पाउडर, देशी घी और चिया बीज, भाग्योदय तेल मिल के तिल, नारियल, फल्ली, बादाम और अलसी का तेल तथा विश्वकर्मा नर्मदा प्रसाद जैविक मार्ट के मटर, लौकी, धनिया, शहद और मही जैसे जैविक एवं रसायन मुक्त उत्पाद प्रमुख आकर्षण रहे। जैविक हाट का संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने निरीक्षण किया।

नगर देपालपुर में महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी ही धूमधाम एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आस्था का महापर्व नगर देपालपुर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया नगर में स्थित अनेक प्राचीन मंदिरों में विद्युत साज सज्जा एवं भगवान शिव के अनेक रूपों का बड़ी ही सुंदरता से विभिन्न मंदिरों में विभिन्न रूपों का वर्णन किया गया। महापर्व पर नगर के अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर महाप्रसादी का वितरण किया गया। आस्था की इस पावन संध्या पर नगर सहित आसपास के हजारों श्रद्धालु भगवान शिव की एक झलक पाने के लिए घंटो लाइन में लग रहे, भक्ति का यह संगम समरसता को आगे बढ़ता है, अनेक मंदिरों में सायं 5ः00 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ी, भोलनाथ कॉलोनी में विराजित भगवान मनोकामनेश्वर का श्रंगार बाबा महाकाल के रूप में किया गया, पुजारी विकास जी जोशी द्वारा बताया गया कि महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व लगभग सप्ताह भर चलता है, जो 7 फरवरी से प्रारंभ होकर 15 फरवरी तक आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिदिन प्रातः कॉल पूजन अभिषेक एवं मंत्र उच्चारण के पश्चात श्रंगार एवं महा आरती एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

एडवोकेट तनुज दीक्षित द्वारा गोपेश्वर महादेव में फलाहारी खिचड़ी-ठंडाई का वितरण हज़ारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की फलाहारी खिचड़ी व ठंडाई

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। एडवोकेट तनुज दीक्षित द्वारा गोपेश्वर महादेव में फलाहारी खिचड़ी-ठंडाई का वितरण हज़ारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की फलाहारी खिचड़ी व ठंडाई, वकीलों ने लिया बढ़ चढ़कर भाग लिया इंदौर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोपेश्वर महादेव मंदिर में अधिवक्ता तनुज दीक्षित के तत्वावधान में फलाहारी खिचड़ी एवं ठंडाई की प्रसादी का भव्य वितरण किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और श्रद्धा भाव से प्रसादी ग्रहण की कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ एवं गणमान्य अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष मनीष यादव, सचिव मनीष गडकर तथा जिला न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष लखनलाल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे साथ ही समाजसेवी विजय दीक्षित सहित अनेक अधिवक्तागणों ने आयोजन में सहभागिता कर सेवा कार्य को सराहा इस दौरान अधिवक्ता अभिजीत सिंह राठौर, योगेश जैसवाल, स्वाति काशीद भूपेंद्र यादव, रोहित उज्जैनि,सौरभ जैन, परितोष श्रीवास्तव,गौरव, रत्नेश गुप्ता, विवेक व्यास, अविनाश वैश्नव, करण बैरागी, कैलाश कौशल,विजय चौहान, भवानी आर्य,अक्षत गुप्ता सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता और सेवा भावना की झलक देखने को मिली श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी जिले के 2.38 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित की 35.04 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

कटनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खंडवा जिले के पंढाना में आयोजित राज्?य स्?तरीय कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना के तहत कटनी जिले की 2 लाख 38 हजार 962 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 33वीं किस्त के तौर पर 35 करोड़ 4 लाख 65 हजार 900 रूपये की राशि का अंतरण किया। जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यस्तरीय आयोजन के प्रसारण को लाड़ली बहनों ने देखा और सुना।इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास वनश्री कुर्वेती सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही।लाड़ली बहना योजना की राशि का अंतरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कटनी जिले की जनपद पंचायत बड़वारा की 39 हजार 317 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 78 लाख 84हजार 600 रूपये अंतरित किये गए। इसी तरह जनपद पंचायत बहोरीबंद की 40 हजार 94 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 88 लाख 12 हजार रूपये, जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की 37 हजार 165पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 45 लाख 13हजार 200 रूपये, जनपद पंचायत कटनी की 27 हजार 705 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड़ 4 लाख 50हजार 300 रूपये, जनपद पंचायत रीठी की 25 हजार 765पात्र महिलाओं के खाते में 3 करोड़ 78 लाख 75हजार 400 रूपये, जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की 34 हजार 809 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड़ 12 लाख 5 हजार रूपये अंतरित किये। वहीं नगर निगम कटनी की 28 हजार 69 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड़ 9 लाख 5 हजार 700 रूपये ,नगर परिषद बरही की 2 हजार 297 पात्र महिलाओं के खाते में 33 लाख 80हजार 400 रूपये, नगर परिषद कैमोर की 2 हजार 265 पात्र महिलाओं के खाते में 32 लाख 74 हजार 500 रूपये तथा नगर परिषद विजयराघवगढ़ की 1 हजार 476 पात्र महिलाओं के खाते में 21 लाख 64 हजार 800 रूपये अंतरित किये गए।

उज्जैन के पूर्व सांसद डॉ मालवीय ग्राम गड़बड़ा में राम कथा में पहुंचे

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बडौद तहसील के ग्राम गरबड़ा में राम कथा के चौथे दिन भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद प्रदेश उपाध्यक्ष एवं आलोट विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉक्टर चिंतामणि मालवीय रामकथा में पहुंचे एवं भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष अजय मारू बरडिया , मनोज जैन, भागीरथ देवड़ा ,अमित जैन , बीजा मंडल के महामंत्री राम प्रसाद लाला ,पोप सिंह मालपुरा ,नजरपुर से लक्ष्मी नारायण समस्त अतिथियों ने गुरुदेव का स्वागत किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया ,कार्यक्रम के आयोजक तूफान सिंह चौहान गड़बड़ के द्वारा म डॉक्टर चिंतामणि मालवीय का साफा बांधकर ,साल दुपट्टा पहना कर स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया समस्त अतिथियों का सापा बांधकर दुपट्टा पहना कर सम्मान किया।

असिस्टेंट बुक कीपर का 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

नरसिहंपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेंट आरसेटी ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान नरसिंहपुर में 30 दिवसीय आवासीय असिस्टेंट बुक कीपर का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 9 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम में 30 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने ग्रामों में जाकर स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करें। उन्हें यह भी आश्वस्त किया गया कि स्वरोजगार की दिशा में संस्थान द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर असेसमेंट ऑफिसर श्री आनंद सिंह, निदेशक सेंट आरसेटी श्रीमती अनामिका मल्ल, श्री आशीष नामदेव, श्रीमती शिखा कुशवाहा, श्री गगन शर्मा, श्री रत्नेश दुबे एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

कलेक्टर हुए सख्त, गेहूं फसल कटाई में कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर किया

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गेहूं एवं अन्य रबी फसलों की कटाई का कार्य आगामी दिनों में प्रारंभ होने जा रहा है। कुछ कृषकों द्वारा गेहूं फसल की कटाई कंबाइन हार्वेस्टर से कराई जाती है तथा कटाई उपरांत शेष नरवाई में आग लगा दी जाती है, जिससे वातावरण प्रदूषित होता है, आगजनी से फसलों एवं जान-माल की हानि की संभावना रहती है तथा भूमि की उर्वरा शक्ति एवं लाभदायक मित्र कीट नष्ट होते हैं।

कलेक्टर के आदेशानुसार जिले में नरवाई जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। बिना भूसा बनाने वाली मशीन (स्ट्रारीपर) के कम्बाइन हार्वेस्टर से गेहूं फसल की कटाई करने वाले संचालकों/मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जिस कृषक द्वारा खेत में नरवाई जलाई जाएगी, उस पर 2,500 रुपये से 15,000 रुपये तक अर्थदण्ड अधिरोपित किया जाएगा।कृषि वैज्ञानिक डॉ.पुनीत राठौर, डॉ.एम.के.भार्गव एवं उप संचालक कृषि पान सिंह करौरिया ने जायद में मूंग के स्थान पर उड़द फसल का बढ़ावा देने के लिए किसानों को गांव-गांव जाकर किसानों को समझाइस दी। सहायक कृषि यंत्री श्री भगवान सिंह नरवरिया एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा गत दिवस ग्राम भडोता, चकरा, देहरदा गणेश, खैराई, पचावला, बीजरी सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण कर बैठकें आयोजित की गईं। कृषकों को नरवाई न जलाने हेतु समझाइश दी गई। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन ग्रामों में चौपाल एवं बैठकों के माध्यम से कृषकों को नरवाई न जलाने तथा ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर उड़द फसल लेने की सलाह दी जा रही है।

जिले में महा शिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महा शिवरात्रि का पावन पर्व भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिले के प्रसिद्ध बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र पूरे दिन हर-हर महादेव एवं ओम नमः शिवाय के जयकारों से गूंजता रहा। सुबह से ही जिले भर से श्रद्धालु दर्शन-पूजन हेतु मंदिर पहुंचे। देर शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के जिलों से आए भक्तों ने भी बाबा बैजनाथ महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया, जिससे मंदिर परिसर एवं आसपास का वातावरण उत्सवमय दिखाई दिया। महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा बैजनाथ महादेव का प्रातःकालीन रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह, सहित जनप्रतिनिधियों ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का विधिवत पूजन-अर्चन किया। प्रातःकालीन आरती के उपरांत श्रद्धालुओं ने मंदिर गर्भगृह के बाहर से ही दूल्हे के रूप में सजे बाबा बैजनाथ महादेव के दर्शन किए। आकर्षक श्रृंगार एवं साज-सज्जा भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन एवं पुलिस द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्थाएँ की गई थीं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण एवं सुगमता से दर्शन कर महा शिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक आनंद लिया।

मण्डला में दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल का भव्य समापन

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मोटे अनाज (श्रीअन्न) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और इसके स्वास्थ्यगत लाभों से आमजन को परिचित कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन मण्डला तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल का सफलतापूर्वक समापन हुआ। स्थानीय पुलिस ग्राउंड में आयोजित इस उत्सव में नगरवासियों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान स्थानीय व्यंजनों की खुशबू और श्रीअन्न (मिलेट्स) के अनोखे स्वाद ने आगंतुकों का दिल जीत लिया। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने न केवल मिलेट्स से बने पारंपरिक और आधुनिक व्यंजनों का आनंद लिया, बल्कि पोषण और पारंपरिक खेती के महत्व के प्रति जागरूकता भी दिखाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि श्रीअन्न हमारी संस्कृति की पहचान होने के साथ-साथ भविष्य का सुपरफूड भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए किसानों और आम नागरिकों से मोटे अनाज को अपनी थाली में पुनः स्थान देने का आह्वान किया तथा इसे किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया। विधायक निवास श्री चैन सिंह वरकडे ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पोषण और परंपरा दोनों को सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर श्री प्रफुल्ल मिश्रा, श्री जयदत्त झा, श्री विनय मिश्रा, उपसंचालक कृषि अश्वनी झरिया, सहायक संचालक मधु अली, परियोजना अधिकारी श्री अनूप नामदेव, एपीसी श्री मुकेश पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध शराब माफियाओं पर खरगोन पुलिस का कडा प्रहार

बिस्टान पुलिस ने अवैध देशी-विदेशी शराब के संग्रहण पर दी दबिश, भारी मात्रा मे अवैध शराब की जप्त

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अवैध शराब निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अति पुलिस अधीक्षक खरगोन (शहर) श्री बिट्टू सहगल के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में थाना बिस्टान पर पुलिस टीम ने अवैध रूप से विक्रय करने हेतु संग्रहण की गई अवैध शराब के ठिकाने पर दी दबिश देकर 19 पेटी देशी विदेशी शराब जप्त कर बड़ी कार्यवाही की गई है।

घटना का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 14.02.26 को थाना बिस्टान पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, ग्राम ढाबला के रहने वाले पन्नालाल ने अपने मकान के पास बागड मे तुअर की काठी मे अवैध रूप से विक्रय हेतु देशी-विदेशी शराब का संग्रहण कर रखा हुआ है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी बिस्टान निरीक्षक श्री गुलाब सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवा कर कार्यवाही करने हेतु मुखबिर के बताए स्थान पर रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर के बताए स्थान ग्राम ढाबला मे घेराबंदी कर दबिश दी गई जिसमे पुलिस टीम को आता देख पन्नालाल पिता चैनसिंह डावर निवासी खेडा फाल्या मौके से भाग निकला। पुलिस टीम के द्वारा मकान के आस पास सर्चिंग करने के दौरान टीम को अवैध रूप से संग्रहीत की गई देशी-विदेशी शराब की कुल 19 पेटी मिली जिसमे 09 पेटी देशी प्लेन शराब, 01 पेटी आफिसर च्वाईस, 01 पेटी लंदन प्राईड वोदका, 01 पेटी लंदन प्राईड विस्की, 03 पेटी गोवा व्हिस्की, 03 पेटी पावर स्ट्रांग बीयर व 01 पेटी रायल सिलेक्ट कुल 175.32 लीटर अवैध देशी-विदेशी शराब कीमती लगभग 89,036/- रुपये की को पुलिस टीम के द्वारा नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना बिस्टान पर अपराध क्रमांक 52/26 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है। मौके से फरार आरोपी पन्नालाल पिता चैनसिंह डावर निवासी खेडा फाल्या ग्राम ढाबला की गिरफ़्तारी के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे है जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस रिकार्ड खंगालने पर आरोपी पर पूर्व से भी धारा 34(1) आबकारी अधिनियम के प्रकरण पंजीबद्ध होना पाए गए है। उक्त कार्यवाही मे एसडीओपी भीकनगाँव श्री राकेश आर्य के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी बिस्टान निरीक्षक श्री गुलाब सिंह रावत के नेतृत्व में उनि सुदामा मोरे, सउनि प्रतापसिह सोलंकी, आर 977 विनायक, आर 332 यशपाल एवं आर 703 अनिल व थाना बिस्टान के अन्य पुलिस स्टाफ का विशेष योगदान रहा ।

अभियान के द्वितीय चरण में, क्लस्टर स्तर पर आयोजित होंगे शिविर

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिये प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिये इस अभियान के द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च के बीच क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों के आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अभियान के तृतीय चरण में 16 मार्च से 26 मार्च के बीच विकासखंड स्तरीय शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा तथा चतुर्थ चरण में जिला स्तरीय शिविर 26 से 31 मार्च के बीच आयोजित किया जाएगा।

द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च के बीच क्लस्टर स्तर पर लगेंगे शिविर- द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर पर और नगरीय क्षेत्रों में नगर या जोन स्तर पर प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के उद्देश्य से शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के आर कानूडे ने बताया कि जनपद पंचायत खंडवा के ग्राम जावर में 16 फरवरी को, अमलपुरा में 17 फरवरी को और सिहाड़ा में 18 फरवरी को शिविर आयोजित होंगे। इसी तरह जनपद पंचायत बलड़ी के ग्राम गंभीर उबारी में 19 फरवरी, हरसूद विकासखंड के ग्राम बोथियाखुर्द में 20 फरवरी और मांडला में 21 फरवरी को शिविर आयोजित होंगे। जनपद पंचायत छैगांवमाखन के ग्राम डुल्हार में 22 फरवरी, अहमदपुर खैगांव में 23 फरवरी तथा चिचगोहन में 24 फरवरी को शिविर आयोजित होंगे। जनपद पंचायत पुनासा के ग्राम सुलगांव में 25 फरवरी, बांगरदा में 26 फरवरी, अटूटखास में 27 फरवरी को तथा जनपद पंचायत पंधाना के ग्राम सिंगोट में 28 फरवरी, गुड़ी में 1 मार्च, बगमार में 2 मार्च तथा दीवाल में 3 मार्च को ये शिविर आयोजित होंगे। खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में 5 मार्च, आशापुर में 6 मार्च, खारकलां में 7 मार्च और सुंदरदेव में 8 मार्च को शिविर आयोजित कर ग्रामीणों के आवेदन लिए जाएंगे।

नगरीय क्षेत्र में मार्च माह में लगेंगे शिविर- नगरीय क्षेत्र में मूंदी में 9 मार्च को शिविर आयोजित होगा। पंधाना में 10 मार्च को, छनेरा में 11 मार्च को, ओंकारेश्वर में 12 मार्च को, पुनासा में 13 मार्च को शिविर आयोजित किए जाएंगे। खंडवा नगर निगम के वार्ड क्रमांक 1 से 10 के लिए मोहनलाल वर्मा स्कूल परिसर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 14 मार्च को शिविर आयोजित होगा। जबकि वार्ड क्रमांक 11 से 20 के नागरिकों के लिए 14 मार्च को मराठी स्कूल परिसर में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में शिविर आयोजित होगा। वार्ड क्रमांक 21 से 30 के नागरिकों के लिए नगर निगम कार्यालय में 15 मार्च को शिविर आयोजित होगा। जबकि वार्ड क्रमांक 31 से 40 के नागरिकों के लिए 15 मार्च को सिंधी धर्मशाला में शिविर आयोजित किया गया है। वार्ड क्रमांक 41 से 50 के नागरिकों की सुविधा के लिए 16 मार्च को जोन नंबर 6 रामेश्वर स्थित कार्यालय में शिविर आयोजित किया जाएगा। ये सभी शिविर प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होंगे।

उदयपुर मेले में लगाए गए हेल्थ कैंप से श्रद्धालु लाभांवित, 87 का स्वास्थ्य परीक्षण

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। बासौदा के उदयपुर मेले में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में विशेष हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया, जिसका लाभ बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों ने प्राप्त किया। मेले में लगाए गए इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी बनाने की सुविधा प्रदान की गई।

सीएमओ से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम 4 बजे तक हेल्थ कैंप में कुल 87 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों द्वारा श्रद्धालुओं की सामान्य जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से कैंप में 37 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे पात्र हितग्राहियों को पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ मिल सकेगा। वहीं 62 श्रद्धालुओं की आभा आईडी भी बनाई गई, जिससे उनका डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकेगा और भविष्य में उपचार के दौरान सुविधा प्राप्त होगी।

मेले में लगाए गए इस हेल्थ कैंप से श्रद्धालुओं को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उन्हें उपचार के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। यह पहल श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेले की अवधि में निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल उपचार मिल सके।

आंगनवाड़ी के गेहूं का अवैध परिवहन करते हुए आरोपी पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग और खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम चिलारिया स्थित माँ सप्तश्रृंगी स्व-सहायता समूह के लिए आवंटित सरकारी राशन (गेहूं) का अवैध रूप से परिवहन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने ग्राम केरमला में दबिश दी। वहां एक दुकान के बाहर गेहूं के 02 सील बंद बोरे बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 102 किलोग्राम पाया गया। ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह गेहूं उचित मूल्य दुकान चिलारिया से अवैध रूप से विक्रय हेतु लाया गया था।

जांच के दौरान उक्त गेहूं माँ सप्तश्रृंगी स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष पुनिया बाई (पति नकला) द्वारा अवैध रूप से विनियमित करने हेतु चिलारिया से केरमला भेजा गया था। पीओएस मशीन के रिकॉर्ड और भौतिक सत्यापन में विसंगतियां पाई गईं। आरोपी द्वारा सरकारी राशन को निजी लाभ के लिए बाजार में बेचने का प्रयास किया जा रहा था। जब्तशुदा गेहूं की कुल कीमत 2,346 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी पुनिया बाई के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। इस मामले की संयुक्त कार्यवाही वरला नायब तहसीलदार श्री संतोष कोठारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सेंधवा श्रीमती लाली खराड़ी एवं महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी वरला श्रीमती गीता डावर द्वारा की जा रही है। मामले को पंजीबद्ध कर विवेचना सहायक उपनिरीक्षक श्री महताब सिंह चौहान की जा रही है।

कलेक्टर ने कृषि रथ प्रगति की समीक्षा की, 378 शिविरों में 14 हजार से अधिक कृषकों ने लिया लाभ

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित कृषि रथों के माध्यम से किसानों तक कृषि तकनीक एवं योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान की कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा समीक्षा की गई। समीक्षा में बताया गया कि 20 जनवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक जिले के सभी विकासखंडों में कृषि रथों के माध्यम से व्यापक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया।

इस अवधि में जिले के 7 विकासखंडों में कुल 378 कृषि शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 14 हजार 121 कृषकों ने सहभागिता कर विभिन्न योजनाओं एवं उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही 3909 अधिकारियों की ग्रामों में उपस्थिति दर्ज रही तथा 100 वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विकासखंडवार समीक्षा में विदिशा एवं बासौदा सहित हरेक विकासखंड में 54-54 शिविर आयोजित कर क्रमशः 2137 एवं 2085 कृषकों को लाभान्वित किया गया। कुरवाई में 1991, सिरोंज में 1787, ग्यारसपुर में 1907, नटेरन में 2011 तथा लटेरी विकासखंड में सर्वाधिक 2203 कृषकों की सहभागिता दर्ज की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि कृषि रथों के माध्यम से किसानों को शासन की योजनाओं, उन्नत बीज, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, मृदा परीक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्रभावी रूप से प्रदान की जाए, ताकि किसान अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि कृषि रथ किसानों और कृषि विभाग के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि रथों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक ग्राम में किसानों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

शिवशक्ति धाम में हुआ भगवान भोलेनाथ का महाभिषेक

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के यमुनाकुंज कॉलोनी के प्रसिद्ध शिवशक्ति धाम मंदिर में शिवरात्रि के अवसर पर आज रविवार को ब्रह्म मुहुर्त में भगवान भोलेनाथ का समाज सेवी और वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरला शर्मा ने महाभिषेक किया द्य इस अवसर पर उपस्थित शिवभक्तों ने आरती में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की द्य कॉलोनी के प्रमुख अतुल पंडित ने बताया कि प्रतिवर्षा अनुसार शिवरात्रि पर हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में महिला मंडल की श्रीमती स्वधा पण्डित,सरला शर्मा,लीना मोड़क, प्रीति गांवशिंदे सपना जासवाल और कविता गुप्ता द्वारा साबूदाने की खिचड़ी और फलों की प्रसादी का वितरण कराया गया पलक गावशिंदे द्वारा मन्दिर का आकर्षक श्रृंगार कराया गया द्य रात्रि में भी अतुल पंडित और स्वधा पंडित ने पूजन अभिषेक और आरती की द्य विद्वान आचार्यों द्वारा कराए गए भगवान भोलेनाथ के इस धार्मिक अनुष्ठान में सचिन मोडाक हेमंत जायसवाल सुंदर लाल राठौड़ राजन पांडेय पंडित सिद्धू तिवारी और आसपास के रहवासियों ने भी शामिल होकर पुण्य लाभ लिया।

कृषि रथों की मॉनिटरिंग की जवाबदेही 14 जिला अधिकारियों को सौंपी

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित कृषि रथों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सोमवार से शुक्रवार तक ग्राम पंचायतों में भ्रमण करने वाले कृषि रथों की मॉनिटरिंग की जवाबदेही 14 जिला अधिकारियों को सौंपी है। जारी निर्देशों के अनुसार नामांकित जिला अधिकारियों को अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में कृषि रथों की गतिविधियों का नियमित निरीक्षण करना होगा। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि कृषि रथ निर्धारित ग्रामों में पहुंचकर किसानों को शासन की योजनाओं, नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, फसल प्रबंधन एवं अन्य कृषि संबंधी जानकारियों का समुचित लाभ प्रदान कर रहे हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया है कि संबंधित अधिकारी स्वयं ग्रामों में पहुंचकर कृषि रथों के संचालन, किसानों की सहभागिता एवं दी जा रही जानकारी का प्रत्यक्ष अवलोकन करें। निरीक्षण के दौरान किए गए कार्यों एवं दायित्वों के निर्वहन की समुचित जानकारी निर्धारित प्रोफार्मा में दर्ज कर नियमित रूप से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि रथ शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य किसानों तक तकनीकी जानकारी एवं योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाना है। इसलिए इसकी मॉनिटरिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस व्यवस्था से कृषि रथों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता बढ़ेगी तथा जिले के अधिक से अधिक किसानों को कृषि संबंधी नवाचारों एवं योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

कृषि रथ बना किसानों के सशक्तिकरण का माध्यम, 9 हजार से अधिक कृषकों ने लिया नरवाई प्रबंधन का संकल्प

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, पर्यावरण संरक्षण एवं शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित कृषि रथ अभियान किसानों के लिए सफलता की नई कहानी लिख रहा है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में 20 जनवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक चलाए गए इस विशेष अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे हजारों किसान लाभान्वित हुए हैं। कृषि रथ के माध्यम से जिले के ग्रामों में पहुंचकर किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए प्रेरित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 893 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाया। यह पहल न केवल किसानों की लागत कम करने में सहायक हो रही है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कृषि रथ अभियान के प्रभाव से जिले के 9829 किसानों ने नरवाई प्रबंधन हेतु शपथ लेकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। साथ ही किसानों को जागरूक करने के लिए 2001 कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए, जिससे नरवाई जलाने की प्रवृत्ति में कमी आने की उम्मीद है।

कलेक्टर की पहल से कृषि रथ अभियान को गति, सिरोंज में प्राकृतिक खेती अग्रणी तो लटेरी फसल विविधीकरण में अव्वल

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित कृषि रथ अभियान के अंतर्गत 20 जनवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित गतिविधियों की समीक्षा में विभिन्न विकासखंडों में उल्लेखनीय प्रगति परिलक्षित हुई है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, फसल विविधीकरण एवं विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती में सिरोंज अग्रणी- जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्रफल में सिरोंज विकासखंड 239 हेक्टेयर के साथ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि कुरवाई में 179 हेक्टेयर, बासौदा में 125 हेक्टेयर एवं लटेरी में 107 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाई गई। इससे स्पष्ट है कि सिरोंज क्षेत्र के किसान प्राकृतिक खेती के प्रति अधिक जागरूक हुए हैं।

नरवाई प्रबंधन में लटेरी और विदिशा के किसानों की सक्रिय भागीदारी- नरवाई प्रबंधन हेतु शपथ लेने वाले किसानों की संख्या में लटेरी 1472 किसानों के साथ प्रथम स्थान पर रहा, वहीं सिरोंज (1464), बासौदा (1461) और विदिशा (1437) भी उल्लेखनीय रहे। यह जिले में पराली प्रबंधन के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

नरवाई प्रबंधन के कृषि यंत्रों में नटेरन अग्रणी- नरवाई प्रबंधन हेतु उपलब्ध कृषि यंत्रों की संख्या में नटेरन विकासखंड 529 यंत्रों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि कुरवाई में 409, बासौदा में 266 और लटेरी में 251 कृषि यंत्र उपलब्ध रहे। इससे नटेरन में तकनीकी संसाधनों की बेहतर उपलब्धता परिलक्षित होती है।

फसल विविधीकरण में लटेरी अव्वल- फसल विविधीकरण के क्षेत्रफल में लटेरी विकासखंड 749 हेक्टेयर के साथ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि विदिशा (478), कुरवाई (441) और बासौदा (393) भी प्रमुख रहे। इससे स्पष्ट है कि लटेरी क्षेत्र के किसान पारंपरिक फसलों के साथ वैकल्पिक फसलों को भी तेजी से अपना रहे हैं।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण में नटेरन और लटेरी आगे- मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण में नटेरन विकासखंड 1033 कार्ड के साथ अग्रणी रहा, वहीं लटेरी में 1378 कार्ड वितरित किए गए, जो जिले में सर्वाधिक हैं। कुरवाई (966) और सिरोंज (693) भी उल्लेखनीय रहे। इससे किसानों में मृदा परीक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

किसान एवं पशु क्रेडिट कार्ड में सिरोंज और लटेरी आगे- किसान क्रेडिट कार्ड वितरण में सिरोंज 127 कार्ड के साथ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि लटेरी में 69 कार्ड वितरित किए गए। पशु क्रेडिट कार्ड में लटेरी (76) और सिरोंज (73) अग्रणी रहे।

सुपर सीडर पंजीयन में लटेरी अग्रणी- सुपर सीडर पंजीयन में लटेरी 42 पंजीयन के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि कुरवाई एवं सिरोंज में 27-27 पंजीयन हुए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि जिन विकासखंडों में बेहतर प्रगति हुई है, उनके अनुभवों को अन्य विकासखंडों में भी लागू किया जाए, ताकि जिले के अधिक से अधिक किसान आधुनिक तकनीकों एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।कृषि रथ अभियान जिले में कृषि के आधुनिकीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रविवार को शिवमय हुआ शहर, शिवालयों में गूंजे महादेव के जयकारे

विभिन्न शिव मंदिरों में हुए अनुष्ठान, श्री सिद्धनाथ मंदिर में महाआरती के बाद साबूदाना खिचड़ी का हुआ वितरण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार महाशिवरात्रि पर्व पर पूरा शहर शिवमय नजर आया। शहर के चारों दिशाओं में स्थित शिव मंदिरों में प्रातःकाल से शुरू हुआ पूजा-अर्चना व अभिषेक का दौर, जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान विभिन्न शिव मंदिरों में कई प्रकार के अनुष्ठान आयोजित हुए ओर शिवालय ? नमः शिवाय, हर-हर महादेव के जयकरों से गुंजे। इसी कड़ी में भावसार मोहल्ला स्थित श्री सिद्धनाथ महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर विभिन्न अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रातःकाल से मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हुआ। इस दौरान करीब हजारों लीटर जल भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव पर चढ़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री सिद्धनाथ जी का पूजन-अर्चन एवं अभिषेक कर शहर की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। वही महिलाओं द्वारा बिलास बत्ती भी जलाई। मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज भावसार ने बताया कि प्रातः 3 बजे से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खुले। प्रातः 4 बजे रुद्राक्ष मित्र मंडल द्वारा भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी का पंचामृत से रूद्राभिषेक कर श्रृंगार आरती की। वही दोपहर 12 बजे मल्लीवाल परिवार द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर के 71 फिट ऊंचे शिखर पर नवीन ध्वजारोहण किया। मल्लीवाल परिवार के वरिष्ठ गुलाबचंद भावसार करीब 378 वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन किया। इसके पश्चात रुद्राक्ष मित्र मंडल द्वारा महाराणा प्रताप चौराहा (बावड़ी बस स्टैंड) पर श्री सिद्धनाथ द्वार पर ध्वजा फहराई। मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र भावसार लाला ने बताया कि रात्रि में भगवान श्री सिद्धनाथ महादेव जी को साफा पहनाकर दूल्हा बनाया और रात्रि 8.30 बजे महाआरती की गई। मंदिर समिति कोषाध्यक्ष गौरव भावसार अप्पू ने बताया कि महाआरती के बाद 71 किलों साबूदाने की खिचड़ी का वितरण किया गया। मंदिर पुजारी हरिश गोस्वामी ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी रात्रि में श्रृंगार कर भगवान श्री सिद्ध नाथ महादेव जी के विशेष शयन दर्शन कराएं गए।

इन मंदिरों में भी धुमधाम से मनाया गया पर्व

शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में भी महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी धुमधाम से मनाया। इनमें सराफा बाजार स्थित श्री नीलकंठ मंदिर, कसरावद रोड़ स्थित श्री मेलडेरेश्वर महादेव मंदिर, औरंगपुरा स्थित श्री बडघाटेश्वर मंदिर, बाकी माता पथ स्थित श्री महाबलेश्वर मंदिर, कुंदा नदी तट स्थित काला देवल व महाकाल मंदिर, जैतापुर स्थित श्री ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर, मंडी परिसर स्थित श्री आशुषोत महादेव मंदिर, ज्योति नगर स्थित श्री ज्योतेश्वर महादेव मंदिर, ब्राह्मणपुरी स्थित श्री ज्येश्वर महादेव मंदिर, गांधी नगर स्थित श्री महामृत्युंजन मंदिर, पीडब्ल्यूडी स्थित शिव मंदिर, डीआरपी लाईन स्थित शिव मंदिर, कृष्णकुंज कॉलोनी स्थित कृष्णेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन व अभिषेक किया और रात्रि में श्रृंगार कर महाआरती की गई।

केरल के जनप्रतिनिधियों ने शहर विकास की परियोजनाओं का किया अवलोकन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में शहरों के सुनियोजित विकास के लिये राज्य स्तर से विस्तृत कार्ययोजनायें तैयार कर उन पर क्रियान्वयन किया जाता है। आम लोगों को बेहतर मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता का कार्य है।

प्रदेश की नगरीय विकास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी ने रविवार को केरल के जनप्रतिनिधियों के दल के साथ ग्वालियर स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमाण्ड सेंटर में चर्चा करते हुए यह बात कही। साथ ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शहर विकास के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा मध्यप्रदेश में शासन-प्रशासन के माध्यम से किए जाने वाले विकास कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय विकास विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। केन्द्र सरकार की अनेक परियोजनाओं के माध्यम से भी शहरों के सर्वांगीर्ण विकास के लिये कार्य हो रहे हैं। विकसित भारत अभियान के तहत मध्यप्रदेश देश में अग्रणी भूमिका में है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने केरल से आए जनप्रतिनिधियों का ग्वालियर में स्वागत किया।

उन्होंने ग्वालियर की ऐतिहासिक विरासतों के साथ ही विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने प्रतिनिधियों से केरल प्रदेश में शहरी विकास के संबंध में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली।

केरल के जनप्रतिनिधियों ने पार्षदों के साथ भी की चर्चा- केरल से आए जनप्रतिनिधियों ने रविवार को नगर निगम के बाल भवन में क्षेत्रीय पार्षदों के साथ ही चर्चा कर परिषद के संचालन के संबंध में बारीकियां जानीं।

नगरीय विकास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार एवं सभापति श्री मनोज तोमर ने भी शहर विकास के संबंध में जनप्रतिनिधियों से विस्तार से चर्चा की।

1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई बनी संजीवनी, समय पर उपचार से बची गाय की जान

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा संचालित 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों के लिए जीवनदायिनी सेवा साबित हो रही है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण कुरवाई विकासखंड के ग्राम झुनावटी में सामने आया, जहां समय पर मिली चिकित्सा सहायता से एक गंभीर रूप से बीमार गाय की जान बचाई जा सकी।

ग्राम झुनावटी निवासी श्रीमती कल्लो बाई अहिरवार के लिए एक दिन बेहद चिंताजनक बन गया, जब उनकी गाय अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गई। स्थिति इतनी गंभीर थी कि पशु के जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। ऐसे संकट की घड़ी में उन्हें शासन की 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई सेवा के बारे में जानकारी मिली।

श्रीमती कल्लो बाई ने तुरंत टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर अपने पशु की स्थिति की जानकारी दी। कॉल सेंटर में उनके पशु का विवरण दर्ज किया गया और लक्षणों के आधार पर तुरंत केस दर्ज कर चलित पशु चिकित्सा इकाई को सूचित किया गया। कुछ ही देर में इकाई प्रभारी ने स्वयं संपर्क कर आश्वस्त किया कि शीघ्र ही उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्वास और उम्मीद के बीच महज 30 मिनट के भीतर पशु चिकित्सा दल उनके घर पहुंच गया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गाय डिस्टोकिया (प्रसव संबंधी जटिलता) से पीड़ित है। टीम ने तत्परता और दक्षता से उपचार करते हुए मृत बछड़े को बाहर निकाला और गाय की जान बचा ली।

उपचार के बाद निर्धारित शुल्क 150 रुपये ऑनलाइन माध्यम से जमा किया गया तथा संबंधित ओटीपी के माध्यम से उपचार प्रक्रिया पूर्ण की गई।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रिः रात 11 बजे 7 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

वर्ष में एक बार आज दोपहर में होगी भगवान महाकाल की भस्म आरती, सवामन फूलों का सजेगा सेहरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा महाकाल की नगरी में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर के पट देर रात 2:30 बजे खोल दिए गए थे और रात 11:00 बजे तक दर्शन का सिलसिला लगातार जारी रहा। पहले 7 घंटों में ही लगभग 1 लाख 30 हजार से अधिक भक्तों ने दर्शन किए थे, वहीं शाम 5:00 बजे तक यह आंकड़ा बढ़कर 3,96,278 तक पहुंच गया था। जबकि देर रात तक यह संख्या 7 लाख के पार पहुंच चुकी थी। वहीं आज वर्ष में एक बार भगवान महाकाल दोपहर में भस्म रमाएंगे।

महाशिवरात्रि पर महाकालेश्वर मंदिर के पट लगातार 44 घंटे खुले रहेंगे। आज 16 फरवरी को रात्रि 10:30 बजे शयन आरती के साथ पट बंद होंगे। इस दौरान विशेष पूजन-अभिषेक, आरती और श्रृंगार का क्रम निरंतर जारी है। वहीं आज भगवान महाकालेश्वर दोपहर 12:00 बजे भस्म रमाएंगे। इसके पहले आज सुबह 10:00 बजे तक दर्शनों का सिलसिला लगातार चलेगा और फिर हम श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया जाएगा। दोपहर की भस्म आरती के बाद दोपहर 2:00 बजे से एक बार फिर सेहरा दर्शन शुरू हो जाएंगे।

दूल्हा रूप में सजे बाबा महाकाल - रविवार को महाशिवरात्रि के दिन भस्म आरती के साथ धार्मिक आयोजनों की की शुरुआत हुई। तड़के भस्मारती के बाद भगवान का पंचामृत स्नान कराया गया और उन्हें दूल्हा स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया। गर्भगृह एवं नंदी हॉल को विदेशी फूलों और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। दर्शन के लिए निर्धारित 2.5 किलोमीटर लंबा रूट बनाया गया था। प्रशासन ने 25 मिनट में दर्शन कराने का दावा किया था, हालांकि भारी भीड़ के चलते श्रद्धालुओं को लगभग एक से डेढ़ घंटे तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही थी। सामान्य दर्शन गणेश एवं कार्तिकेय मंडप से चलते-चलते कराए जा रहे थे।

दिनभर चला विशेष पूजन- महाशिवरात्रि पर सुबह 7:30 से 8:15 बजे दद्योदक आरती हुई। 10:30 से 11:15 बजे भोग आरती तथा इसके बाद दोपहर 12 बजे उज्जैन तहसील द्वारा पूजन-अभिषेक किया गया। शाम 4 बजे होल्कर एवं सिंधिया स्टेट द्वारा पूजन हुआ और शाम 7 से 10 बजे कोटितीर्थ कुंड पर कोटेश्वर महादेव पूजन व सेहरा श्रृंगार हुआ। सायं आरती में भगवान को गर्म मीठे दूध का भोग अर्पित किया गया।

वर्ष में एक बार आज दिन में भस्म आरती- महाशिवरात्रि की रात्रि 11 बजे से 16 फरवरी प्रातः 6 बजे तक महाअभिषेक, एकादश-एकादशनी रुद्रपाठ एवं विशेष मंत्रोच्चार के साथ पूजन होगा।

पंचामृत अभिषेक में - 101 लीटर दूध, 31 किलो दही, 21 किलो खांडसारी, 21 किलो शहद तथा 15 किलो घी से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद आज वर्ष में एक बार होने वाली दोपहर 12 बजे भस्म आरती होगी।

10 दिनों से चल रहा शिव नवरात्रि उत्सव- महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में शिव नवरात्रि उत्सव 6 फरवरी (फाल्गुन कृष्ण पंचमी) से प्रारंभ होकर 16 फरवरी तक मनाया जा रहा है। बारह ज्योतिर्लिंगों में यह एकमात्र स्थान है जहां शिव नवरात्रि विशेष उत्सव के रूप में आयोजित होती है।

महाशिवरात्रि पर शहर के कई मार्ग दिनभर डायवर्ट रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन। महाशिवरात्रि पर भगवान महाकाल के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे और शनिवार शाम 6 बजे से भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए महाकाल मंदिर क्षेत्र की ओर जाने वाले आधा दर्जन से अधिक प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई थी। प्रशासन के अनुसार महाशिवरात्रि पर मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का रेला शनिवार शाम से ही शुरू हो गया था। इसी के मद्देनजर यातायात पुलिस ने डायवर्जन प्लान लागू किया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आपातकालीन सेवाओं का आवागमन बाधित न हो। प्रतिबंधित मार्गों में हरिफाटक टी से महाकाल घाटी, जंतर-मंतर से जयसिंहपुरा, शंकराचार्य चौराहा से नृसिंह घाट व दानीगेट, दौलतगंज से लोहे का पुल, कंठाल से छत्रीचौक तथा दानीगेट से गणगौर दरवाजा मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों पर शनिवार शाम 4 बजे से वाहनों का प्रवेश पूर्णतः बंद किया गया था। इधर महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा नदी में आस्था की डुबकी भी लगाने पहुंचे। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए। घाटों पर होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है। घाटों पर बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, लाउडस्पीकर से सतत घोषणा और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था भी की गई थी।

कालिदास उद्यान से मोजमखेड़ी तक की सडक़ हो रही तैयार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास उद्यान से मोजमखेड़ी तक की सडक़ का चौड़ीकरण हो चुका है। 30 मीटर चौड़ी इस सडक़ का लगभग 70 प्रतिशत काम हो गया है। कुछ पुलिया के काम इसमें बाकी है। उल्लेखनीय है कि बाहर से आने वाले यात्रियों को भैरवगढ़ तथा कालभैरव जाने के लिए अब कालिदास उद्यान से बड़ी और चौड़ी सडक़ मिलेगी। यहां 30 मीटर की सडक़ तैयार हो रही है। इसमें 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें पुल और पुलिया के काम चल रहे हैं। बरसात के पहले यह रोड पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी। ऐसा अधिकारी दावा कर रहे हैं। साथ ही उन्हेल रोड बाईपास से मिलने वाली सडक़ भी तैयार हो रही है।

महाशिवरात्रि पर धरना स्थल पर बंटा 1 क्विंटल गाजर का हलवा और मोरधन की खिचड़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ (सं संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर नरसिंह घाट चौराहा स्थित धरना स्थल पर विशाल फलाहारी भंडारे का आयोजन किया गया। बाल हनुमान मंदिर के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में दिनभर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। संघ के संजय सिंह चौहान ने बताया कि यह आयोजन सत्य सनातन महाकाल के परम भक्त श्री योगी बाबा बम-बम नाथ जी महाराज की स्मृति में उन्हें समर्पित किया गया। बाबा पूर्व में 101 क्विंटल हलवा बांटते थे, उन्हीं की प्रेरणा से यह प्रसादी वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे से हुई। दोपहर 12 बजे तक श्रद्धालुओं को 1 क्विंटल गाजर का हलवा वितरित किया गया। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक 50 किलो मोरधन, 50 किलो आलू और 10 किलो मूंगफली दाने से तैयार फलाहारी खिचड़ी का वितरण किया गया।

पेड़ काटने वाला कभी सुखी नहीं रहता की थीम पर पौधारोपण की अलख जगा रहे श्री त्रिपाठी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग द्वारा आयोजित 06 दिवसीय श्री महाकाल वन मेला में आने वाले लोगों को पौधे लगाने की प्रेरणा भी मिल रही है। अपने आयुर्वेद प्रोडक्ट के विक्रय के साथ पूर्व शिक्षक श्री केशव प्रसाद त्रिपाठी हर व्यक्ति को पौधे लगाने का महत्व समझा रहे है। उनका कहना है पेड़ लगाने वाला कभी दुखी नहीं रहता, पेड़ काटने वाला कभी सुखी नहीं रहता।

मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित एवं मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा मैदान में आयोजित श्री महाकाल वन मेला में आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स (उत्पादों) के विक्रय के लिए स्टॉल लगाने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक श्री केशव प्रसाद त्रिपाठी बताते है कि उन्होंने वर्ष 2006 से पौधारोपण करने की शुरुआत की। वे प्रतिदिन दो से तीन पौधे लगाते है वहीं संस्थाओं को भी पौधारोपण की प्रेरणा देते है। अब तक वे 19 सालों में लगभग 95 हजार पौधों का रोपण शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में कर चुके है। पौधारोपण के बाद शहरी क्षेत्र में नियमित पानी देने का क्रम भी रखते है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण लोगों को प्रेरणा देकर लगाए गए पौधों को पानी देने का संकल्प भी दिलाते है। श्री त्रिपाठी का कहना है कि पीपल, बरगद, पाकर, गुलर, नीम के पौधें रोपने से भविष्य में इसका लाभ जरुर मिलता है।

हरिफाटक ब्रिज के नीचे बेगम बाग के रहवासियों ने खुद मकान तोडऩा शुरू किए

प्राधिकरण ने सहमति से बाकी के मकान शिवरात्रि के बाद तोडऩे का निर्णय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हरिफाटक ओवर ब्रिज से नीलकंठ द्वार तक सिक्स लेन रोड बनाने का टेंडर हो चुका है। इसके लिए बेगम बाग क्षेत्र से प्राधिकरण लीज समाप्त होने के बाद यहां के भूखण्डों से निर्माण हटा रहा है। आज भी सुबह ब्रिज के नीचे के कई मकान मालिकों ने अपने हिस्से के निर्माण हटाना शुरू कर दिए।

प्राधिकरण द्वारा यहां हरिफाटक ओवर ब्रिज के नीचे प्रमुख सडक़ पर दोनों और लीज समाप्त होने के बाद भूखण्ड के निर्माण लगातार हटाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ब्रिज के नीचे 10 से 15 मकान को नोटिस दिया गया था। मकान मालिकों ने अपनी सहमति प्राधिकरण को दे दी है और वह खुद ही खाली करके तोडऩे का काम शुरू कर रहे हैं।

आज सुबह से यहां तुड़ाई का काम चल रहा है। पूर्व पार्षद बड़ा राजू ने यहां पर प्राधिकरण और लोगों के बीच सहमति बनवाने में मदद की। इसके अलावा जो भी प्लॉट पर निर्माण उनमें भी नोटिस दिए जा रहे हैं और शिवरात्रि के बाद बड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी निर्माण हटा दिए जाएंगे। 3 से 4 मामलों में कोर्ट का स्टे है। वह भी कुछ दिनों न्यायालय में सुनवाई के बाद फैसला होते ही हटा दिए जाएंगे। इस प्रकार मार्च महीने में यह कार्रवाई पूरी हो जाएगी। अप्रैल महीने से यहां पर सिक्स लेन सडक़ का निर्माण शुरू हो जाएगा। इससे यहां पर महाकाल आने वाले श्रद्धालुओं को यातायात में सुविधा होगी।

रोमांचक मुकाबले में वार्ड 13 को हराकर वार्ड 20 एक बार फिर बनी चैंपियन, अनिमेष को मिली साइकिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्था लक्ष्य द्वारा आयोजित निःशुल्क नीलम ट्रॉफी वार्ड स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन बेहद रोमांचक रहा। फाइनल मुकाबले में वार्ड 20 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वार्ड 13 को 5 विकेट से पराजित कर खिताबी जीत हासिल की। वार्ड 20 की टीम एक बार फिर इस टूर्नामेंट की चैंपियन बनी है।

फाइनल की विजेता टीम को 33,000 रुपये और उपविजेता टीम को 5,000 रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अनिमेष को %मैन ऑफ द सीरीज चुना गया और उन्हें उपहार स्वरूप स्पोर्ट साइकिल प्रदान की गई। इसके अलावा खिलाड़ियों को कई अन्य उपहार भी दिए गए। पूरे टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सर सय्यद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जयसवाल की ओर से दिया गया, जिनके प्रतिनिधि के रूप में इकबाल उस्मानी ने उपस्थित होकर उपहार वितरित किए।

टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तराना विधायक महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, पूर्व सांसद सत्यनारायण पवार, नेता प्रतिपक्ष रवि राय, समाजसेवी सैयद आबिद अली मीर, पार्षद माया राजेश त्रिवेदी, अंजू जाटवा, स्वाति सिंह, रेणुका गांधी, सोनिया ठाकुर, अर्पित यादव, बबलू खींची, पार्षद प्रकाश शर्मा, समीरउल हक, पवन यादव, खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष उषा मालवीय, मोहनसिंह पलदुना, पार्षद पति मुजीब सुपारिवाला, सुधीर राणा, हाजी फईम सिकंदर और मंसूर अली पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कमल टेटवाल, सुभाष परमार, संतोष चौहान, इरशाद कुरैशी, इरफान राइन, अब्बास लश्करवाला, नासिर लाला, नईम शाह, सुखी बग्गा, जाहिर बाबा, श्यामकुमार मालवीय, बालकृष्ण मालवीय और रईस मंसूरी ने किया।

फाइनल मैच में अंपायरिंग की भूमिका मुकेश बडोनिया और अमीन खान ने निभाई, जबकि शफी खान ने मैच का आंखों देखा हाल सुनाया। कार्यक्रम का संचालन असलम लाला ने किया और आभार आसिफ खान ने माना। उक्त जानकारी प्रचार सचिव सोहेल कुरैशी और प्रवक्ता सैयद आशिक अली ने दी।

श्री महाकाल वन मेले में आयुर्वेद और हर्बल ब्यूटी उत्पादों की धूम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित एवं मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा मैदान में आयोजित श्री महाकाल वन मेला शहरवासियों को आकर्षित कर रहा है। यहां बड़ी संख्या में लोग हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के स्टॉल पर पहुंच रहे है। मेले में आयुर्वेदिक दवाइयों के साथ हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स की अच्छी खासी रेंज देखने को मिल रही है। अलग-अलग स्टॉलों पर बालों की समस्याओं और त्वचा संबंधी परेशानियों के समाधान बताकर उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्टॉल संचालकों के अनुसार यहां हर्बल शैंपू, साबुन, फेस पाउडर, तेल सहित कई उत्पाद मौजूद हैं, जो प्राकृतिक तत्वों से तैयार किए गए हैं। उत्पादों की कीमतें भी विविध हैं।

मेले में आए लोगों ने बताया कि हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच एक ही स्थान पर इतनी वैरायटी मिलना उनके लिए सुविधाजनक है। आयोजकों का कहना है कि मेले में आगे भी लोगों की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है।

स्वदेशी हर्बल उत्पादों ने खींचा ध्यान- श्री महाकाल वन मेले में लगे स्टॉलों पर स्वदेशी हर्बल उत्पादों की खास रेंज लोगों को आकर्षित कर रही है। स्टॉल पर चंदन फेस पाउडर, चंदन ब्यूटी फेस पैक, हर्बल शैंपू, हर्बल हेयर ऑयल, गुलाब जल, चंदन अगरबत्ती, गुलाब चंदन धूप स्टिक और दर्द निवारण तेल जैसे कई उत्पाद उपलब्ध हैं। स्टॉल संचालकों के अनुसार ये उत्पाद प्राकृतिक और आयुर्वेदिक तत्वों से तैयार किए गए हैं, जो त्वचा और बालों की समस्याओं के समाधान के लिए उपयोगी बताए जा रहे हैं। मेले में आए खरीदारों का कहना है कि एक ही स्थान पर इतनी वैरायटी में स्वदेशी उत्पाद मिलना उनके लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है।

रायपुर के हर्बल उत्पादों की भी मांग- श्री महाकाल वन मेले में रायपुर के स्टॉल पर भी आयुर्वेदिक और कॉस्मेटिक उत्पादों की अच्छी खासी रेंज देखने को मिल रही है। स्टॉल पर फेस पैक चूर्ण, फेलोवर शैंपू, फेलोवर कंडीशनर, फेलोवर केयर, नीम साबुन, तुलसी चूर्ण, भृंगराज तेल, निर्गुंडी तेल और महाविषगर्भ तेल जैसे कई उत्पाद उपलब्ध हैं। स्टॉल संचालकों के अनुसार ये उत्पाद प्राकृतिक तत्वों पर आधारित हैं और त्वचा व बालों की देखभाल के लिए उपयोगी बताए जा रहे हैं। मेले में आए लोग हर्बल विकल्पों की ओर खास रुचि दिखा रहे हैं, जिससे स्टॉल पर अच्छी ग्राहक आवाजाही बनी हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्री महाकाल के दर्शन किए

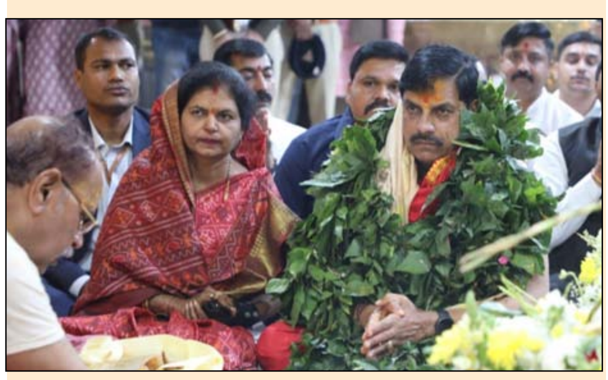

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सपत्नीक महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर देश प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में दर्शन पूजन में सहभागिता की तथा श्री महाकाल बाबा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर समिति द्वारा उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और शिव तत्व से जुड़ने का अवसर है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश एवं प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। पूजन के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धालुओं से संवाद किया और मंदिर परिसर में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव,श्री संजय अग्रवाल तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उज्जैन के माखन सिंह की कप्तानी में मध्य प्रदेश बना चैंपियन, रोमांचक फाइनल में जम्मू-कश्मीर को हराया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग चैलेंजर ट्रॉफी-2026 में मध्य प्रदेश की टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उज्जैन के माखन सिंह राजपूत की कुशल कप्तानी में मध्य प्रदेश ने फाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को 2 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

ऊर्जा स्टेडियम पटना में डे-नाइट प्रारूप में खेले गए फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर ने निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 201 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने दबाव के बावजूद संयम नहीं खोया।

44 गेंदों में पलट दिया मैच- मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब मध्य प्रदेश के बल्लेबाज संजय साकेत और लकी कडारिया ने मैदान पर चौके-छक्कों की बरसात कर दी। दोनों ने मात्र 44 गेंदों में 116 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी कर हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया। लकी ने 20 गेंदों पर 67 रन और संजय ने 25 गेंदों पर 48 रन बनाए। टीम ने 18 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

खिलाड़ियों पर बरसे पुरस्कार- 130 रन और 9 विकेट लेने वाले अंकित सिंह बघेल को मैन ऑफ द सीरीज, मैन ऑफ द मैच (फाइनल) लकी कडारिया, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर वेदांत गुप्ता तथा सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार संजय साकेत ने प्राप्त किया।

टीम के कोच अंकित रॉकी शर्मा और कप्तान माखन सिंह राजपूत ने इसे सामूहिक प्रयास की जीत बताया। उज्जैन के कप्तान की इस उपलब्धि पर शहर के खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

साइकिल चलाकर दिया 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को फिट इंडिया मूवमेंट के 61वें संस्करण के तहत शहर में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय और सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस साइकिल राइड में युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

सुबह 7 बजे देवास रोड स्थित तिरंगा पॉइंट से शुरू हुई इस रैली में प्रतिभागियों ने शहरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर, तुषार पिल्लैवार, मयंक तिवारी और खेल शिक्षक अनिल निकम व प्रवीण गौतम प्रमुख रूप से शामिल हुए।

यह रहा रूट- साइकिल राइड तिरंगा पॉइंट से शुरू होकर कोठी महल, देवास रोड, महानंदा नगर, कॉसमॉस मॉल, सी-21 मॉल, तीन बत्ती, टॉवर चौक, घास मंडी और संजीवनी हॉस्पिटल होते हुए वापस तिरंगा पॉइंट पर संपन्न हुई।

युवाओं को जोड़ने का प्रयास- आयोजकों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम और साइकिलिंग के प्रति जागरूक करना है। रैली के दौरान सभी ने एक स्वर में 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' का नारा बुलंद किया।